मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 118
रविवार, 10 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली कर्नाटक एवं तेलंगाना में डबल हो गई है: पीएम मोदी

अकोला, 09 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के अकोला में चुनावी रैली को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ मजबूती से खड़ा है। संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि विदर्भ का आशीर्वाद हमेशा मेरे लिए खास रहा है। अब एक बार फिर मैं विधानसभा चुनाव में महायुति के लिए आपसे आशीर्वाद मांगनें आया हूं। उन्होंने कहा कि आज 9 नवंबर है और ये 9 नवंबर की तारीख बहुत ही ऐतिहासिक है। आज के ही दिन 2019 में देश की सर्वोच्च अदालत ने राम मंदिर पर फैसला दिया था। 9 नवंबर की ये तारीख इसलिए भी याद रखी जाएगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर धर्म के लोगों ने बहुत ही संवेदनशीलता का परिचय दिया।

मोदी ने कहा कि 2014 से 2024 के 10 वर्षों में महाराष्ट्र ने भाजपा को लगातार दिल खोलकर आशीर्वाद दिया है। भाजपा के ऊपर महाराष्ट्र के इस भरोसे की वजह भी है। इसकी वजह है महाराष्ट्र के लोगों की देशभक्ति, राजनीतिक समझ और दूर-दृष्टि। उन्होंने कहा कि अभी केंद्र में हमारी सरकार को 5 महीने ही हुए हैं। इन 5 महीनों में लाखों करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसमें बड़ी संख्या में महाराष्ट्र से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट भी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 2 कार्यकाल में मोदी ने गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं। इतना ही नहीं उस समय जो लक्ष्य था वो पूरा भी कसर दिया।

भाजपा नेता ने कहा कि अब हम गरीबों के लिए 3 करोड़ नए घर और बनाने की शुरूआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय मैंने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की गारंटी देने का वादा किया था। हमारी सरकार ने बुजुर्गों की सेवा के लिए ये योजना लॉन्च कर दी है। 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को वय-वंदना आयुष्मान कार्ड मिलने शुरू हो गए हैं। सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ ही इस योजना का लाभ हर वर्ग, हर समाज, हर धर्म के बुजुर्गों को मिलेगा।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस और अघाड़ी वालों ने महाराष्ट्र के लोगों की जिस मांग को दशकों तक पूरा नहीं होने दिया, मोदी ने वो भी पूरी कर दी है। हमें मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने का सौभाग्य मिला है। मराठी को वो सम्मान मिला है, जिससे पूरे महाराष्ट्र का गौरव जुड़ा है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार के अगले 5 वर्ष कैसे होंगे, इसकी एक झलक महायुति के वचननामे में भी दिख रही है। महिलाओं की सुरक्षा और महिलाओं के लिए अवसर, माझी लाडकी बहीण योजना का विस्तार, युवाओं के लिए लाखों रोजगार, विकास के बड़े-बड़े काम। महायुति सरकार महाराष्ट्र के विकास को डबल स्पीड से आगे बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि महायुति के घोषणा पत्र के बीच, महाअघाड़ी वालों का घोटाला पत्र भी आया है। अब तो पूरा देश जानता है - महाअघाड़ी यानी, भ्रष्टाचार! महाअघाड़ी यानी, हजारों करोड़ के घोटाले !महाअघाड़ी यानी, पैसों की उगाही! महाअघाड़ी यानी, टोकन मनी! महाअघाड़ी यानी, ट्रांसफर-पोस्टिंग का धंधा। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस की सरकार बन जाती है, वो राज्य कांग्रेस के शाही परिवार का अळट बन जाता है। इन दिनों हिमाचल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य कांग्रेस के शाही परिवार के अळट बने हुए हैं। लोग बता रहे हैं कि इन दिनों महाराष्ट्र में चुनाव के नाम पर कर्नाटक में वसूली डबल हो गई है, चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली कर्नाटक एवं तेलंगाना में डबल हो गई है। आरोप है कि कर्नाटक में इन लोगों ने शराब के दुकानदारों से 700 करोड़ रुपए कि वसूली कराई है।

मोदी ने कहा कि हमारे अकोला को कपास के उत्पादन के लिए जाना जाता है।

फिरोजाबाद में दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

फिरोदाबाद, 09 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के फिरोदाबाद जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मथुरा से लखनऊ जा रही एक मिनी बस सड़क किनारे खड़े एक कैंटर से भिड़ गई, जिससे उसमें सवार पांच यात्रियों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए।

पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अखिलेश भदौरिया ने बताया की मिनी बस में 30 लोग सवार थे और बस मथुरा से लौट रही थी,शुक्रवार देर रात यह बस सड़क किनारे खड़े एक कैंटर से जा टकराई।

भदौरिया ने बताया कि दुर्घटना में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक यात्री ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में

24 यात्री घायल हुए हैं जिन्हें सैफई व शिकोहाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक ऐसी जानकारी मिली है कि मिनी बस चालक नशे में था। उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त महादेव (42), संदीप (23), विटारा (45) ,काजल एवं पप्पू के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वक्फ बिल को जबरदस्ती पारित कराने की कोशिश कर रहे हैं पीएम मोदी : संजय सिंह

नई दिल्ली, 09 नवम्बर। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वक्फ (संशोधन) विधेयक को जबरदस्ती पारित कराने का प्रयास करने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जबरदस्ती वक्फ (संशोधन) बिल पास कराने की कोशिश कर रहे हैं। वह सभी संसदीय नियमों और परंपराओं को छोड़कर जेपीसी में चर्चा भी नहीं करना चाहते हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है - सभी विपक्षी दलों ने जेपीसी दौरे का बहिष्कार किया, इसके बावजूद यह आयोजित किया जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जबरदस्ती वक्फ (संशोधन) बिल पास कराने की कोशिश कर रहे हैं। वह सभी संसदीय नियमों और परंपराओं को छोड़कर जेपीसी में चर्चा तक नहीं करना चाहते। ऐसा पहली बार हो रहा है - सभी विपक्षी दलों ने जेपीसी दौरे का बहिष्कार किया, इसके बावजूद यह आयोजित किया जा रहा है। सिंह ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के दौरे को नाटक और मुद्दों से ध्यान भटकाने का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष किसी बैठक में नहीं जाता है तो कोरम अधूरा रहता है। मुझे नहीं पता कि आज के गुवाहाटी दौरे में कोरम पूरा हो रहा है या नहीं। यह जेपीसी एक नाटक है। जेपीसी मुद्दों से ध्यान भटकाने का एक माध्यम मात्र थी. दरअसल,

मोदी सरकार जेपीसी में कोई चर्चा नहीं चाहती। वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी की बैठक शनिवार को गुवाहाटी में शुरू हुई। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति विधेयक की जांच के लिए 9 नवंबर से 14 नवंबर तक पांच शहरों: गुवाहाटी, भुवनेश्वर, कोलकाता, पटना और लखनऊ में एक अध्ययन दौरा आयोजित कर रही है।

सड़कों के निर्माण में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 09 नवम्बर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं और उसके कारण होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या की ओर ध्यान आकर्षित किया और देश में सड़कों के निर्माण में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। गडकरी ने कहा कि अगर भविष्य में सड़क इंजीनियरिंग की गलती के कारण किसी की मौत होती है तो इसके लिए वह खुद दोषी होंगे। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने सरकारी इंजीनियरों से अपनी नौकरी छोड़कर एक अच्छी डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) बनाने वाली

कंपनी शुरू करने का आग्रह किया और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर काम देने का आश्वासन दिया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में भारतीय सड़क कांग्रेस के 83वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में पराली से बिटुमेन और सीएनजी के उत्पादन पर जोर दिया और तर्क दिया कि इस कदम से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण पर लगाम लगेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए कई सड़क परियोजनाओं की घोषणा की और कहा कि उन्हें विश्वास है कि अगले दो वर्षों में राज्य में अमेरिका जैसा सड़क नेटवर्क होगा। मंत्री ने कहा, ₹हर साल सड़क दुर्घटनाओं के कारण 1.50 लाख मौतें होती हैं, जो अब बढ़कर 1.68 लाख हो गई हैं। सड़क इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में कमियों को सुधारने के प्रयास जारी हैं, लेकिन दोषपूर्ण डीपीआर ने बड़ी समस्या पैदा कर दी है।

उन्होंने कहा, हम सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं के लगभग 60 प्रतिशत पीड़ित 18 से 34 वर्ष की आयु के हैं। मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा कि ऐसी सड़कें बनाएं जहां कोई दुर्घटना न हो (दोषपूर्ण इंजीनियरिंग कार्यों के कारण)। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सड़क इंजीनियरिंग में सुधार से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और लोगों की जान बचेगी।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से कहा, ₹हमने ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में नियम बनाए हैं। अगर भविष्य में सड़क इंजीनियरिंग के कारण किसी की मृत्यु होती है, तो मैं इसके लिए खुद को दोषी मानूंगा।₹ अधिकारियों और इंजीनियरों की सभा की ओर इशारा करते हुए मंत्री ने कहा कि परियोजनाओं के लिए डीपीआर की सावधानीपूर्वक जांच किए बिना कोई भी निविदा जारी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। गडकरी ने कचरे से ऊर्जा बनाने की तकनीक के महत्व पर जोर दिया और छत्तीसगढ़ से धान की पराली का उपयोग करके सीएनजी और बिटुमेन बनाने पर काम करने का आग्रह किया।

कर्नाटक के कलबुर्गी में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत

कर्नाटक, 09 नवम्बर। कर्नाटक में कलबुर्गी की कमलापुरा तालुक के पास शनिवार तड़के एक कार और पिकअप वाहन की भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान हैदराबाद निवासी भार्गव कृष्ण (55), उनकी पत्नी संगीता (45) और उनके बेटे उत्तम राघवन (28) के रूप में हुई है।

उन्होंने कहा कि हादसे में कार चालक की भी मौत हो गई जिसकी अभी शिनाख्त नहीं की जा सकी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, संबंधित परिवार कार से अफजलपुरा तालुक के गंगापुरा स्थित दत्तात्रेय मंदिर में दर्शन करने जा रहा था। यह हादसा कमलापुरा तालुक में मारगुट्टी चौराहे के पास हुआ। उन्होंने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

देव दीपावली : 17 लाख दीपों से जगमग होगी काशी : एस रालिंगम

- 15 नवंबर को नमो घाट पर होगा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य आतिशबाजी का आयोजन
- 12-14 नवंबर तक आयोजित होने वाले काशी गंगा महोत्सव का आयोजन अस्सी घाट पर होगा

सुरेश गांधी

वाराणसी। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद अब देवों के देव महादेव की नगरी काशी की विश्वप्रसिद्ध देव दीपावली के जरिये सनातन धर्म की आभा विश्व को प्रभावित करेगी। देव दीपावली पर संस्कृति, विरासत और परंपरा के संरक्षण के साथ ही अब आधुनिकता का समावेश भी दिखेगा। काशी के ऐतिहासिक घाट की दीवार पर सनातन धर्म के अभिन्न अध्यायों का थ्रीडी प्रोजेक्शन के जरिये चित्रण करेगी। चेतसिंह घाट पर थ्रीडी प्रोजेक्शन मैपिंग लेजर शो के माध्यम से आधे घंटे का शिव महिमा और मां गंगा के अवतरण पर आधारित शो होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत आधे घंटे का शो होना निर्धारित है, जो तीन बार प्रसारित किया जाएगा। प्रशासन द्वारा तैयारियों को तेज करते हुए अंतिम रुप दिया जाने लगा है। इसके लिए घाटों पर सुरक्षा के साथ साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

खास बात यह है कि इस बार उत्तरवाहिनी जाह्नवी के दोनों तट पर देव दीपावली और भी विहंगम होगा। एक तरफ अंर्ध चंद्राकार घाटों पर 15 लाख दीएं जलेंगे तो दुसरी तरफ शहर के स्वयंसेवी संगठनों, व्यापारिक संगठनों के अलावा विभिन्न मंदिरों की तरफ से पांच लाख दीये जलाये जायेंगे। इसके अलावा कुंडों, तालाबों और सरोवरों के किनारे भी दीपों की रोशनी से जगमग होंगे। आगामी 12-14 नवंबर तक आयोजित होने वाले काशी गंगा महोत्सव का आयोजन अस्सी घाट पर किया जायेगा। इसमें वाराणसी के स्थानीय कलाकारों तथा विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस कांफ्रेस के दौरान जिलाधिकारी एस रालिंगम ने बताया कि 15 नवंबर को मुख्य कार्यक्रम नमो घाट होंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ नमो घाट पर अलग से भव्य आतिशबाजी का आयोजन भी होगा। जबकि 12-14 नवंबर तक आयोजित होने वाले काशी गंगा महोत्सव का आयोजन अस्सी घाट पर किया जायेगा। इसमें वाराणसी के स्थानीय कलाकारों तथा विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे। इसके अलावा प्रोजेक्शन शो का आयोजन चेत सिंह घाट तथा आतिशबाजी का आयोजन विश्वनाथ मंदिर के सामने होगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि काशी में जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए करीब 17 लाख दीये जलाए जाएंगे। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने उस पार रेत पर शिव के भजनों और धुनों पर ग्रीन क्रैकर्स के जरिये ईको-फ्रेंडली की अद्भुत रोशनी में छटा बिखरेगी।

योग एवं अध्यात्म के सहारे कैंसर पर काबू पायें

-ललित गर्ग

वैश्विक स्तर साल-दर साल कैंसर रोगियों और मृतकों की संख्या बढ़ रही है। भारत में बीते सालों में कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। कैंसर की पहचान, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष भारत में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाता है। प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी की जयन्ती पर उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता, जिन्होंने कैंसर के खिलाफ चल रही लड़ाई में बहुत योगदान दिया है। उनके उत्कृष्ट शोध ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विकास और कैंसर के उपचार के लिए रेडियोथेरेपी के उपयोग में मदद की है। यह दिवस कैंसर से लड़ने की हमारी क्षमता पर मैडम क्यूरी के वैज्ञानिक प्रयासों के बड़े प्रभाव की याद दिलाता है। भारत में एक अनुमान के अनुसार 20 से 25 लाख कैंसर रोगी हैं, जिनमें से हर साल लगभग 7 लाख नए मामले सामने आते हैं। जब एक नए कैंसर के मामले का निदान किया जाता है, तो उनमें से दो-तिहाई पहले से ही लाइलाज अवस्था में होते हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक कैंसर रोगी 35 से 65 वर्ष की आयु के बीच के हैं। बढ़ती जीवन प्रत्याशा और प्रगति के साथ बदलती जीवनशैली के कारण कैंसर के मामले अब की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होंगे। हर साल, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस एक अनूठी थीम अपनाता है, 2023-24 में, थीम ह्रदेखभाल की कमी को पूरा करें है, यह थीम कैंसर देखभाल, कैंसर की रोकथाम, शुरूआती पहचान और उपचार तक पहुँच में सुधार के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा एवं हौसला हो तो कैंसर को भी पस्त किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और वह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और वह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा वह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारण होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रिटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है। इन सबों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी हैं जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं। कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें हैं, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है। असंतुलित जीवनशैली ने आज एक नहीं कई शारीरिक समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। कैंसर भी ऐसा ही एक जोखिम है जो लंबे समय तक नजरअंदाज किये जाने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। अगर कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कैंसर को नियंत्रित करने में अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। सुख-दुख, विपदाएं, वेदना, परेशानियां, कठिनाइयां और बीमारियों का सामना करते-करते व्यक्ति के अंदर से सकारात्मक ऊर्जा खत्म होने लगती है, जिस कारण व्यक्ति थक जाता है और अंदर से टूट जाता है। यह टूटन एवं निराशा कैंसर की सबसे बड़ी बाधा है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता। कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह हों या कई बॉलीवुड सितारे, सबने अपनी सकारात्मक सोच के जरिए ही कैंसर पर विजय हासिल की है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। योग तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायक है। यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मानसिक तनाव को दूर करता है। रोजाना 30 मिनट तक योग करके कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

क्या महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए आरएसएस बनेगी संजीवनी?

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए कहीं ना कहीं प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है। यही कारण है कि भाजपा अपने महायुति गठबंधन के साथियों के साथ-साथ इस चुनाव में पूरी ताकत लगा रही है। इस चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) भाजपा के लिए माहौल बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काफी काम कर रहा है। संघ के कार्यकर्ता भाजपा के 'बटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे को जन-जन तक पहुंचाने में काफी मेहनत कर रहे हैं। संघ के लोक जागरण मंच के द्वारा लोगों के बीच पंफलेट बांटे जा रहे हैं, जिसमें उनसे अपील की जा रही है कि वे बीते लोकसभा चुनावों के परिणामों से सीख लें और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर भाजपा की अगुवाई वाली गठबंधन को वोट दें।

जानकारी के मुताबिक के महाराष्ट्र में आरएसएस के 65 से अधिक मित्र संगठन बीजेपी की मदद कर रहे हैं। यह संगठन सत्तर रहो नामक एक अभियान भी चला रहे हैं। इसका उद्देश्य पूरी तरीके से भाजपा की मदद करना और हिंदू वोटो को लामबंत करना है। आरएसएस के कार्यकर्ता लोगों के घर तक पहुंच रहे हैं। उन्हें भारी संख्या में मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके घर चाय भी पी रहे हैं और साथ ही साथ बटेंगे तो कटेंगे नारे का याद भी दिला रहे हैं। इन कार्यकताओं द्वारा हिंदी और मराठी में वितरित किया जा रहा एक पेज का पैम्फलेट लोगों को आरएसएस द्वारा समर्थित मंत्र की याद दिलाता है और अप्रैल-जून के आम चुनाव परिणामों से सबक लेता है। 48 लोकसभा सीटों वाले राज्य में चुनाव में भाजपा सिर्फ नौ सीटों पर सिमट गई थी।

पैम्फलेट में लोगों से उन लोगों से सावधान रहने के लिए कहा गया है जो संविधान, आरक्षण और एससी और एसटी के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं और एक ऐसी सरकार चुनने को कहा जा रहा है कि जो भूमि जिहाद, लव जिहाद, धार्मिक रूपांतरण, चोरी-डकैती और दंगे पर रोक लगाएगी। बिना किसी का नाम लिए, क्रमशः नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के स्पष्ट संदर्भ में पैम्फलेट में यह भी कहा गया है कि लोगों को विश्व मंच पर भारत की छवि सुधारने के लिए काम करने वाले और विदेशों में देश को बदनाम करने वाले के बीच अंतरा को एहसास होना चाहिए।

नागपुर में आरएसएस के रेशिमबाग कार्यालय में, जहां प्रतिदिन एक बड़ी शाखा आयोजित की जाती है, स्थानीय संघ कार्यकर्ताओं के कदमों में भी तेजी आती दिख रही है। महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसके बारे में आरएसएस सबसे अच्छी तरह से जानता है और इसकी जड़ें सबसे ज्यादा मजबूत हैं - इसका मुख्यालय नागपुर में है। आरएसएस का राज्य के शीर्ष भाजपा नेताओं-देवेंद्र फड़नवीस और नितिन गडकरी के साथ भी घनिष्ठ संबंध है। दरअसल, फड़णवीस ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने लोकसभा नतीजों के बाद ₹अराजकतावादियों और वोट जिहादियों से लड़ने में मदद₹ के लिए आरएसएस से संपर्क किया था। मीडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पंफलेट में लोगों को संविधान, आरक्षण और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों से सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। साथ ही आरएसएस के द्वारा लोगों को यह भी कहा जा रहा है कि ऐसी सरकार को चुनें जो भूमि जिहाद, लव जिहाद, धर्मांतरण, पत्थरबाजी और दंगे को रोकने के लिए काम करे। लोगों को यह भी समझाने की कोशिश की जा रहा है कि कैसे पीएम मोदी ने भारत की छवि को वैश्विक मंच पर सुधारने का काम किया है। वहीं, राहुल गांधी पर भारत को विदेशों में बदनाम करने के आरोप लगाए जा रहा है। हालांकि, इस दौरान संघ के स्वयंसेवक मोदी और राहुल में से किसी का नाम नहीं लेते हैं।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनावों के बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि उनकी पा अबटी आत्मनिर्भर है और संघ पर पहले जैसी निर्भरता नहीं है। उनके इस बयान के बाद आरएसएस ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। इसका खामियाजा भगवा पार्टी को महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में भुगता पड़ा है। हालांकि दोनों ही संगठनों के बीच संबंध सुधरे हैं। अब फ्रर फिर से महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से शामिल हो गया है।

संघ के कार्यकर्ता राज्यभर में लगभग 50,000 से 70,000 छोटे-छोटे बैठकें आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। हरियाणा में भी संघ ने 16,000 से अधिक ऐसी बैठकें आयोजित की थीं, जिनके अच्छे परिणाम मिले थे और बीजेपी ने वहां चुनाव में जीत हासिल की थी।

आपको बता दें कि महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जहां आरएसएस की जड़ें गहरी हैं। क्योंकि संघ का मुख्यालय भी यहीं नागपुर में स्थित है। फ्रर का राज्य में बीजेपी नेताओं देवेंद्र फडणवीस और नितिन गडकरी के साथ भी गहरा संबंध है। हाल ही में फडणवीस ने लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद संघ से मदद मांगी थी।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से यह कहा था कि अगर बीजेपी को पूर्ण बहुमत मिलता है तो वह संविधान को बदल देगी और आरक्षण समाप्त कर देगी। मीडिया से बात करते हुए आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने कहा, ह्रहम चाहते हैं कि लोग ऐसी अफवाहों और गलत धारणाओं को न मानें। गलतफहमी में मत रहिए। अब लोग ज्यादा समझदार हो गए हैं और नागपुर के विधानसभा क्षेत्रों में वे कम से कम 80 प्रतिशत वोटिंग हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित कर चुके हैं।"

अपने दशहरा संबोधन में फ्रर प्रमुख मोहन भागवत ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को दलितों से दोस्ती करने का आह्वान किया था। मथुरा में एक फ्रर बैठक के बाद संगठन ने हिंदू एकता के कारण को समर्थन दिया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गढ़े गए नारे ह्रबटेंगे तो कटेंगेह्र को भी स्वीकृति दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों के दौरान इस नारे को दोहराया और एक और नारा जोड़ा एक हैं तो सेफ हैंह्र।

आपको बतादे प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक है तो सेफ है' टिप्पणी धुले में की थी, जहां बीजेपी-आरएसएस का कहना है कि मालेगांव में मुस्लिम वोटों के एकजुट होने के कारण लोकसभा चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार को मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। इसी कड़ी में योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र के वाशिम में कहा था 'एक है तो नेक हैं'। यहां 'नेक' का मतलब है कि अगर हिंदुओं को बांटा नहीं गया तो वे नेक बने रहेंगे। उन्हें सिर्फ आत्मरक्षा के हिंसा का सहारा लेने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। हालांकि संघ के सूत्रों ने कहा कि 'सजग रहो' और 'एक है तो सेफ है' किसी के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इनका मकसद हिंदुओं के बीच जाति विभाजन को खत्म करना है। बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि आरएसएस के 'स्वयंसेवकों' और 65 से ज्यादा गैर सरकारी संगठनों द्वारा इस संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए बैठकें आयोजित की जा रही हैं। संघ के सूत्रों के मुताबिक, हालांकि इस अभियान का तात्कालिक उद्देश्य महाराष्ट्र चुनाव हैं, लेकिन यह एक बड़ी घटना के जवाब में वैचारिक और बौद्धिक प्रतिक्रिया के उभार को दर्शाता है। यह घटना यह है कि जहां एक तरफ हिंदू जाति के आधार पर बंटे हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ मुस्लिम अपने मतभेदों को भुलाकर एकजुट होकर वोट बैंक के रूप में उभर रहे हैं और उनका मकसद बीजेपी को सत्ता से बाहर देखना है।

इस अभियान में शामिल समूहों में चाणक्य प्रतिष्ठान, मातंग साहित्य परिषद और रणरागिनी सेवाभावी संस्था शामिल हैं। महाराष्ट्र में संघ की सभी चारों 'प्रांत' या क्षेत्रीय इकाइयां- कोंकण (मुंबई और गोवा सहित), देवगिरि (मराठवाड़ा), पश्चिम महाराष्ट्र (जिसमें नासिक और उत्तरी महाराष्ट्र के कुछ हिस्से शामिल हैं) और विदर्भ (जहां फ्रर का मुख्यालय है) शाखा स्तर पर बैठकें आयोजित करके इस अभियान में शामिल हैं। इस अभियान के मुख्य आकर्षणों में से एक है धुले लोकसभा और मुंबई उत्तर पूर्व लोकसभा सीट के नतीजों का उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल करना। यह उस चीज की ओर इशारा करता है जिसे संघ 'मालेगांव मॉडल' कहता है और जिसके बारे में उनका कहना है कि इससे 'बंटे हुए' हिंदू समुदाय को नुकसान पहुंचा है।

सूत्रों के अनुसार आरएसएस आधिकारिक तौर पर संगठन के तौर पर इस अभियान की जिम्मेदारी नहीं ले रहा है, बल्कि इसे केवल 'स्वयंसेवकों की एक पहल' बता रहा है। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने कहा कि स्वयंसेवकों ने हिंदू समाज को यह बताने की अगुवाई की है कि उन्हें जाति के आधार पर विभाजित नहीं होना चाहिए, खास तौर पर ऐसे समय में जब राज्य में मराठा-ओबीसी विभाजन गहरा गया है।

अपराधियों का महिमामंडन एक चिंताजनक प्रवृत्ति

-डॉ सत्यवान सौरभ

मनोरंजन और समाचार मीडिया में अपराधियों का महिमामंडन एक चिंताजनक प्रवृत्ति बन गई है, खासकर अपराध में शामिल व्यक्तियों को नायक विरोधी के रूप में चित्रित करने में। यह ग्लैमराइज्ड प्रतिनिधित्व न केवल न्याय और सत्य को बढ़ावा देने के लिए इन प्लेटफॉर्म के नैतिक कर्तव्य को कमजोर करता है, बल्कि प्रभावित दर्शकों, विशेष रूप से युवाओं को अपराध को आकर्षक या वांछनीय मानने के लिए गुमराह करता है। इस तरह के चित्रण से मीडिया की सामाजिक ज़िम्मेदारियों का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत पड़ती है। अपराधियों को सनसनीखेज बनाकर, मीडिया की कहानियाँ आपराधिक न्याय प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं, कानून तोड़ने वालों को जवाबदेह ठहराने के बजाय उन्हें सहानुभूतिपूर्ण या वीरतापूर्ण प्रकाश में पेश कर सकती हैं।

जब समाचार आउटलेट किसी अपराधी की पृष्ठभूमि या उद्देश्यों को अत्यधिक कवर करते हैं, तो वे अनजाने में सहानुभूति पैदा कर सकते हैं, जिससे उनके कार्यों की गंभीरता कम हो जाती है। मीडिया चित्रण अक्सर अपराधियों को गलत समझे जाने वाले या विद्रोही व्यक्तियों के रूप में रोमांटिक बनाता है, जिससे एक विषम सार्वजनिक धारणा बनती है जो उनके कार्यों की सच्चाई को कमजोर करती है। अपराधियों का महिमामंडन समाज के नैतिक संतुलन को बिगाड़ता है, वास्तविक उपलब्धियों की बजाय अवैध साधनों के माध्यम से भौतिक सफलता को बढ़ावा देता है। मिजार्पुर जैसे शो एक ऐसी कहानी बनाते हैं जिसमें आपराधिक कृत्य धन और सम्मान की ओर ले जाते हैं, जो संभावित रूप से दर्शकों के मूल्य प्रणालियों को प्रभावित करते हैं। अपराधियों का महिमामंडन पीड़ितों के परिवारों के लिए बहुत ही दुखद हो सकता है, क्योंकि यह उनके द्वारा किए गए दुख को खारिज करता है और न्याय और जवाबदेही की आवश्यकता को नकारता है। पुष्पा और गब्बर जैसे चरित्र जो कानूनी सीमाओं के बाहर अपराध से लड़ते हैं, वे सतर्कतावाद को रोमांटिक बना सकते हैं, जिससे न्याय की एक दोषपूर्ण समझ पैदा होती है। युवा दर्शक अपराधियों को अपना आदर्श मानने लग सकते हैं, उन्हें साहसी व्यक्ति के रूप में देख सकते हैं जो व्यवस्था को चुनौती देते हैं, इस प्रकार सही और गलत की उनकी समझ को विकृत कर सकते हैं। लॉरेंस बिश्नोई जैसे व्यक्तियों को समर्पित सोशल मीडिया फैन पेज आपराधिक कृत्यों का महिमामंडन करते हैं, जिससे वे सराहनीय लगते हैं। फिल्मों और श्रृंखलाओं के माध्यम से आपराधिक महिमामंडन के लगातार संपर्क में आने से युवा हिंसा के प्रति असंवेदनशील हो सकते हैं, सहानुभूति कम हो सकती है और आक्रामकता सामान्य हो सकती है।

मीडिया में महिमामंडन युवाओं को अपराधियों के व्यवहार या जीवनशैली की नकल करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, जिससे उनकी शिक्षा और करियर के विकल्प प्रभावित हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर शो से गैंगस्टर व्यक्तित्वों की नकल करने का चलन दशार्ता है कि आपराधिक चित्रण युवाओं को कैसे प्रभावित करता है। अपराधियों को प्रतिष्ठान के खिलाफ विद्रोही व्यक्ति के रूप में महिमामंडित करना युवाओं में कानून प्रवर्तन के प्रति अविश्वास को बढ़ावा दे सकता है। अपराधियों को भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में चित्रित करने वाले चित्रण कानून प्रवर्तन की सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुँचा सकते हैं। जब अपराध को ग्लैमराइज किया जाता है, तो यह एक मिसाल कायम करता है जहाँ युवा अवैध गतिविधियों को सफलता और मान्यता के मार्ग के रूप में देखते हैं, जिससे सामाजिक नैतिकता प्रभावित होती है। ऐसी फि ल्में जो अपराधियों को प्रसिद्धि या विलासिता प्राप्त करते हुए दिखाती हैं, युवाओं को अपराध को एक व्यवहार्य जीवन शैली के रूप में देखने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। मीडिया में आपराधिक व्यक्तियों के महिमामंडन को सीमित करने वाले दिशा-निर्देश लागू करें, विशेष रूप से युवाओं के लिए सुलभ सामग्री में। हिंसक या आपराधिक गतिविधियों को चित्रित करने वाली सामग्री के लिए आयु-आधारित प्रतिबंध लगाने से युवा दर्शकों के बीच जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मीडिया आउटलेट्स को सनसनीखेजता के बजाय जवाबदेही और न्याय पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपराधियों पर रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करें। सार्वजनिक प्रसारण एजेंसियाँ व्यक्तिगत अपराधियों का महिमामंडन करने के बजाय अपराध के निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित करके एक मानक स्थापित कर सकती हैं।

स्कूलों में मीडिया साक्षरता कार्यक्रम लागू करें ताकि छात्रों को महिमामंडित आपराधिक सामग्री के प्रभाव का गंभीरता से विश्लेषण करने और समझने में मदद मिल सके। उदाहरण के लिए कार्यशालाएँ जो युवाओं को सनसनीखेज सामग्री से तथ्यात्मक रिपोर्टिंग को पहचानना सिखाती हैं, अपराधियों के लिए अनुचित प्रशंसा को कम कर सकती हैं। समुदाय के नेताओं को युवाओं के साथ आपराधिक महिमामंडन के नकारात्मक प्रभाव पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें, उन्हें रचनात्मक रोल मॉडल की ओर मार्गदर्शन करें। स्थानीय सामुदायिक केंद्र कानून और न्याय पर सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए पुलिस अधिकारियों या सामाजिक कार्यकताओं द्वारा वार्ता की मेजबानी कर सकते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों के सफल व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने वाले मीडिया अभियान युवाओं को प्रशंसा करने के लिए रचनात्मक व्यक्ति प्रदान कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी, खेल और सामाजिक सेवाओं में नेताओं को प्रदर्शित करना नकारात्मक प्रभावों से ध्यान हटा सकता है। मीडिया में अपराधियों का महिमामंडन सामाजिक नैतिकता और युवा विकास के लिए एक महत्त्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है। यह सुनिश्चित करना कि सामग्री जिम्मेदारी से तैयार की गई है और सकारात्मक रोल मॉडल को बढ़ावा देना एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण है जो न्याय और अखंडता को महत्त्व देता है। ज़िम्मेदार मीडिया चित्रण, सामुदायिक सहभागिता और नियामक निरीक्षण पर ध्यान केंद्रित करके, भारत एक ऐसा मीडिया वातावरण विकसित कर सकता है जो सकारात्मक सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करता है और आपराधिकता के प्रति प्रशंसा को रोकता है।

> जब अपराध को ग्लैमराइज किया जाता है, तो यह एक मिसाल कायम करता है जहाँ युवा अवैध गतिविधियों को सफलता और मान्यता के मार्ग के रूप में देखते हैं, जिससे सामाजिक नैतिकता प्रभावित होती है। ऐसी फि ल्में जो अपराधियों को प्रसिद्धि या विलासिता प्राप्त करते हुए दिखाती हैं, युवाओं को अपराध को एक व्यवहार्य जीवन शैली के रूप में देखने के लिए प्रेरित कर सकती हैं, युवा दर्शक अपराधियों को अपना आदर्श मानने लग सकते हैं, उन्हें साहसी व्यक्ति के रूप में देख सकते हैं जो व्यवस्था को चुनौती देते हैं, इस प्रकार सही और गलत की उनकी समझ को विकृत कर सकते हैं। लॉरेंस बिश्नोई जैसे व्यक्तियों को समर्पित सोशल मीडिया फैन पेज आपराधिक कृत्यों का महिमामंडन करते हैं, जिससे वे सराहनीय लगते हैं। फिल्मों और श्रृंखलाओं के माध्यम से आपराधिक महिमामंडन के लगातार संपर्क में आने से युवा हिंसा के प्रति असंवेदनशील हो सकते हैं, सहानुभूति कम हो सकती है और आक्रामकता सामान्य हो सकती है।

दिशाहीन रूढिवादिता और अंधविश्वास की डगर

संजीव ठाकुर

भारतीय समाज एक बहुभाषी, बहु सांस्कृतिक, बहुजातीय, बहु धार्मिक समाज है। एक नजर में इसकी प्रगाढ़ता और इसके विराट स्वरूप को समझना अत्यंत कठिन है। भारतीय समाज की गहरी और विशाल संरचना को, उसके विभिन्न आयामों को समझना हमारे लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी। हमारा समाज एक विशिष्ट और उत्कृष्ट समाज है, जो अनेक संस्कृतियों, रीति-रिवाजों, धार्मिक विश्वासों और जीवनशैली में गुथा हुआ है। रोजमर्रा की जीवन शैली में भारतीय समाज की विशिष्ट पहचान दृष्टिगोचर होती है। यह समाज जहां अपनी पुरातन अंधविश्वासी रूढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ा है, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक विकास के साथ अग्रसर होने की चाह में आगे बढ़ रहा है। भारतीय समाज रूढ़िवादिता और आधुनिकता के विकास के बीच अंतर्द्वंद में फंसा हुआ है। एक और भारतीय समाज पश्चिम से प्रेरित होकर भौतिकता की चकाचौंध के पीछे भाग रहा है वहीं दूसरी तरफ अपनी पुरातन आध्यात्मिक परंपराओं का भी बखूबी निर्वाहन करने का प्रयास भी कर रहा है। किंतु समाज में यह अंतर्द्वंद बना हुआ है कि वह योग को अधिक महत्व दे अथवा भोग को, इससे इतर भारतीय समाज आश्चर्यजनक रूप से दोनों को अपनाते हुए आगे की ओर अग्रसर है। भारतीय महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नई परिभाषाएं लिख रहीं है वही देश में शिशु लिंगानुपात हर जनगणना में घटता जा रहा है। सामाजिक कुरीतियों में कमी तो आई है पर महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और यौन अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हमारे समाज में बेटियां नाम कमा कर माता-पिता का नाम रोशन तो तेजी से कर रही हैं पर भ्रूण हत्या की दरों में अनावश्यक तेजी भी चिंता का कारण बनी हुई है। यही अंतर्विरोध ही समाज को चिंतनीय भी बना रहा है। सबसे ताजा खबरों में हरनाज संधु ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है, और देश का नाम ऊंचा कर गौरव हासिल किया है। भारतीय लड़कियों ने फैशन में एक नया मुकाम बनाया है आज आधुनिक पेंट, जींस पहन कर लड़कियां आगे बढ़ने को आतुर है। दूसरी तरफ खानपान में जहां भारतीय पारंपरिक व्यंजन डोसा, सांभर, इडली, पंजाबी ,मसालेदार भोजन ग्लोबल स्तर पर छा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पारंपरिक भोजन ही कर रहे हैं हमने पिज्जा, पास्ता, मैक्सिकन, इटालियन, चाइनीस और कॉन्टिनेंटल फूड को भी आमजन का खाद्य पदार्थ बनाया हुआ हैं। भारतीय समाज रूढ़िवादी संस्कारों को पूरी तरह निभाने का प्रयास कर रहा है दूसरी तरफ लिव इन रिलेशनशिप में युवक युवतियां महानगरों में बड़े आराम से जीवन जी रहे हैं। रूढ़िवादिता तथा पश्चिम के खुले पन और उन्मुक्त होता का एक फ्यूजन तैयार हो रहा है। हमारा समाज आधुनिक अनश्वर को अपनाता है वहीं नवीन वैज्ञानिक पद्धति को भी अपना रहा है और नवयुग की ओर आकर्षित हो रहा है। दूसरी तरफ अपने पारंपरिक दार्शनिक धार्मिक मूल्यों जैसे ज्ञान, भक्ति, कर्म मार्ग, अवतारवाद, पुनर्जन्म, आस्था तथा मोक्ष की अवधारणा और अहिंसा के सिद्धांतों पर अभी भी आस्थावान है। धर्म तथा अध्यात्म का आकर्षण कम होने के स्थान पर ज्यादा हुआ है। धार्मिक स्थलों के बढ़ते निर्माण धर्म गुरु के सत्संग, प्रवचन, पूजन, भजन ,कीर्तन, अजान ,अरदास, उपवास, रोजा, तीर्थ स्थलों, दरगाह पर भारी भीड़ यह सब सिद्ध करते हैं कि भारतीय समाज आधुनिक होने के साथ-साथ अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर भी विश्वास रखता है। इन्हीं सब कारको के कारण रूढ़िवादिता तथा पाश्चात्य दर्शन का अंतर्विरोध स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। एक और पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखते हुए हम भारतीय समावेशी विकास की बात करते हैं। वहीं दूसरी तरफ विकास के नाम पर खनन, पेडो की बेतरतीब कटाई जारी रख पर्यावरण की धज्जियां उड़ाते हैं। जल, जंगल, जमीन से लेकर हवा तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है, इससे रूढ़िवादिता और पश्चिमीकरण मैं द्वंद स्पष्ट उजागर होता है। स्वतंत्रता के बाद भारतीय समाज ने अपने संविधान के निर्माण और व्यवस्था के गठन तक में रूढ़िवाद और आधुनिकता दोनों का समन्वय बनाकर दोनों ही वाद को पर्याप्त स्थान दिया है। परंपरागत मूल्यों को जहां मौलिक कर्तव्य राज्य नीति के निर्देशक तत्व और प्रस्तावना में स्थान दिया है। इसके अलावा मौलिक आजादी के समानता के सिद्धांत को फ्रांस से, संसदीय प्रणाली ब्रिटेन से और मानवीय मूल अधिकार को अमेरिका से ग्रहण करने में जरा भी संकोच नहीं किया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्तर पर भी भारतीय समाज रूढ़िवादिता और आधुनिकता की ओर एक साथ बढ़ने का प्रयास कर रहा है। एलोपैथी पद्धति से इलाज ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है वही आयुर्वेद योग, परंपरागत आयुर्वेद, ध्यान, नेचुरोपैथी आदि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में भी लोगों की रुची बड़ी तेजी से बढ़ी है। रविंद्र नाथ टैगोर जी ने कहा है 'आधुनिकता पोशाक में नहीं विचारों में होनी चाहिए'

भारतीय समाज बाह्य वस्तुओं के साथ-साथ वैचारिक और संस्कृति स्तर पर भी रूढ़िवादिता और आधुनिकता दोनों की ओर एक साथ बढ़ने का प्रयास कर रहा है। ऐतिहासिक तौर पर भी भारतीय कला और संस्कृति का विकास स्वयं में रूढ़िवादिता और आधुनिकता के समन्वयक का उत्कृष्ट उदाहरण अमीर खुसरो भारतीय वीणा और इरानी तंबूरे को मिलाकर सितार बना रहे थे। स्थापत्य की नागर शैली व मूर्ति कला की गंधार शैली अलग-अलग भारतीय व बाह्य कलाओं के समन्वय का उत्कृष्ट परिणाम है। मुस्लिम स्थापत्य पर भारतीय प्रभाव स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। हिंदी और फारसी के सहयोग से उर्दू का जन्म भारतीय समाज की ही देन है। इसीलिए यह बात स्पष्ट है कि रूढ़िवादिता और पाश्चात्य दर्शन के अनुसरण के लिए भारतीय जनमानस को दोनों दर्शन के सर्वोत्कृष्ट तत्वों को चुनकर उसे अंगीकार करना चाहिए। जिससे भारतीय समाज में विकास की गति भारतीय संस्कृति तथा आधुनिकता के साथ साथ तीव्र गति से हो पाए और मानव कल्याण संभव हो पाए।

दूषित हुई हवायें, जीवन सरकार बचाये?

-विक्रम दयाल

बारिस का कहर थमने के बाद शरद ऋतु के आगमन के साथ ही दूषित और धूंवादार हवाओं का प्रकोप जनता को सताने लगता है. दीपावली त्यौहार के अवसर पर पटाखे जलाने का काम लोग अधिक से अधिक करते ही हैं. जहाँ पर ठंड ज्यादा पड़ती है, ठंड के मौसम की मार से लोग बचने के लिए जगह जगह पर लकड़ियाँ जलाकर हाथ पैर सेकने का काम भी करने लगते हैं. साथ ही किसान लोग खेतों मे पड़े बेकार के पुवाल या पराली जलाने का काम आरंभ कर देते हैं. आनेवाली रवी की फसल के लिए. किसानों को खेतों में सूखी पड़ी बिना कामकी पराली या पुवाल जलाने का काम शुरू हो गया है. क्यों कि खरीफ की फसल काअनाज निकाल लेने के बाद अनाजों के बेकार पड़े डंठल को घर में नही रख सकते हैं उसे तो खेतों से दूसरी फसल लगाने के पहले नष्ट करना ही होता है. पहले के समय में जब खेतियाँ बैलों के द्वारा की जाती थी, पराली या पुवालों की जरूरत जानवरों को खिलाने के लिए पड़ती थी. मगर जबसे किसानों ने खेती के लिए मशीनों का उपयोग करना शुरू किया है, तभी से पराली या पुवालों की खपत या उपयोगिता खत्म हो गई है. पहले के किसान खेती के सारे काम बैलों के द्वारा ही करते थे, इसलिए बैलों की जरूरत हर सभी किसानों को पड़ती थी. और तब पशुओं के चारे की कीमत थी, लोग पशुओ के चारे के लिए परालियों या पुवालों को खरीद कर पशुओं के लिए ले जाया करते थे. लेकिन अब कोई भी किसान चाहे वह अमीर हो या गरीब, सारे के सारे किसानी अब मशीनों से ही करने लगे हैं. इसलिए बैलों की उपयोगिता कृषकों के लिए नही है. देश के अब सभी किसान पशुओं का पालन करना ही बंद कर दिये हैं. 60-70 के दशक में देश में पशुओं की उपयोगिता बढ़ चढ़ कर थी. हर किसान के पास बैल, गाय, भैंस और अन्य दूध देने वाले पशुओं का पालन होता था. लगभग हर किसानों के घरों में दूध का दर्शन हो जाया करता था. मगर आज के समय में अब हर किसान पैकेट के दूध पर आश्रित होगया है. किसी को अब शुद्ध दूध पीने के लिए नही मिलता है. क्योंकि अब पशुपालन लगभग ग्रामीण क्षेत्रों से खत्म हो गया है. बिना मेहनत के लोग किसानी कर रहें हैं.

किसानों को अन्न पैदा करने के लिए किसानी तो करना ही पड़ेगा.

क्योंकि अगर किसान खेती नही करेगा तो वह अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करेगा? और देश को भी अनाज नही दे पायेगा? किसान का जीवन केवल खेती पर ही निर्भर है. और जो लोग खेती नही करते हैं उनको भी वह अनाज नही दे पायेगा? इस लिए किसान खेती करना बंद नही करेगा. यह सिलसिला पहले से अबतक सालोंसाल चलता ही रहेगा. सरकार को ही सोचना होगा कि अनाज निकालने के बाद उसके डंठलों को किस तरह नष्ट करना चाहिए. कभी न रुकने वाला मौसम अपने समय पर आता जाता ही रहेंगा. किसानों का काम खेती करना है वह भी अपना काम करते ही रहेंगे. पराली या पुवाल हर साल निकलते ही रहेंगे. समय रहते सरकार को ही कोई ठोस कदम अब उठाने की जरूरत है!!!

मुरजी पटेल को मिला सभी समाज का व्यापक जनसमर्थन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे जैसे करीब आ रहा है अंधेरी पूर्व विधानसभा में चुनाव प्रचार गरमा गया है। अंधेरी पूर्व की जनता ने प्रचार अभियान के पांचवे दिन मुरजी पटेल 'काका' को जोरदार समर्थन देकर उत्साहपूर्ण माहौल बना दिया। यही नहीं मुरजी पटेल को समाज के सभी वर्गों का व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। बता दें कि ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा पटेल का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान अंधेरी के विभिन्न वर्गों के नागरिक, स्थानीय कार्यकर्ता और पटेल के समर्थक सक्रिय रूप से शामिल रहे। नागरदास स्थित ब्राह्मण सेवा संघ की ओर से आयोजित दीपावली सम्मेलन में महायुति के उम्मीदवार मुरजी पटेल का स्वागत किया गया। सम्मेलन में मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी की प्रमुख उपस्थिति रही।ब्राह्मण सेवा संघ ने किया स्वागत पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा, इंद्रसेन उपाध्याय, रामजी पांडे, विपिन मिश्रा, साहबलाल चौबे, रंगनाथ दुबे, रमाकांत पांडे, सीएम पाठक, अनिल दुबे, जयप्रकाश चौबे भी उपस्थित थे। इस दौरान ब्राम्हण समाज ने पटेल को जिताने का संकल्प लिया।

यहां रही प्रचार यात्रा प्रचार यात्रा की शुरूआत सदभक्ति मंदिर से हुई, जो आगे चलकर रामेश्वर मंदिर, विकास टावर, सर्विस रोड, अंसार नगर, मोगरा पाड़ा, हनुमान मंदिर, पानीपत मैदान चौक, नागरदास रोड, चिनॉय कॉलेज, नीलकमल, घासवाला कंपाउंड, पिकी टॉकीज, गांधी सदन तक पहुंची और अमरतरु पर समाप्त हुई। प्रचार दौरे के हर पड़ाव पर मुरजी पटेल काका का स्थानीय अंधेरी के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके साथ ही जनता ने अंधेरी में उनकी विकास नीतियों के प्रति समर्थन दिखाया। सभी के अमूल्य सहयोग और अंधेरीवासियों के मजबूत समर्थन की बदौलत चौथे दिन का प्रचार अभियान बहुत सफलतापूर्वक समाप्त हुआ।

विक्रमगढ़ विधानसभा सीट पर जिला परिषद अध्यक्ष की बगावत के बाद भड़की भाजपा

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर में भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट आमने सामने आ गए है। दोनों पार्टियों में शुरू हुई खटपट से महायुति के उम्मीदवारों की हालत पतली होती दिख रही है। विक्रमगढ़ विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार हरिश्चंद्र भोये के खिलाफ पालघर जिला परिषद के अध्यक्ष और शिवसेना के शिंदे गुट के नेता रहे प्रकाश निकम चुनाव लड़ रहें है। हालांकि वे अब जिजाऊ संगठन शामिल हो गए है। निकम की बगावत और चुनाव में उतरने से भाजपा पूरी तरह भड़की हुई है। निकम के चुनावी मैदान में उतरने से विक्रमगढ़ विधानसभा सीट पर भाजपा की पकड़ कमजोर होती दिख रही है।भाजपा के जिला अध्यक्ष भरत राजपूत ने चेतावनी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे निकम पर कार्यवाही करें। नहीं तो भाजपा के नेता और कार्यकर्ता भी बोईसर और पालघर में अपनी भूमिका पर भी विचार करेंगे। हालांकि भाजपा की मांग पर प्रकाश निकम को शिनसेना शिंदे ने निलंबित कर दिया है। लेकिन जिला परिषद के अध्यक्ष पद पर वे अभी भी बने हुए है। जिससे इस कार्यवाही को दिखावा बताया जा रहा है। बतादें कि पालघर की पालघर और बोईसर विधानसभा सीटों से शिंदे गुट के उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। ऐसे में दोनों पार्टियों के बीच जारी लड़ाई का शिंदे गुट के उम्मीदवारों पर भी इसका असर पड़ना तय है। महायुति के दोनों घटक दलों के बीच ठन जाने से महाविकास आघाड़ी के खेमे में फिलहाल खुशियां दिख रही है। कांग्रेस के प्रदेश सचिव कैप्टन सत्यम ठाकुर ने कहा लोगों की एकता और एकजुटता को तोड़ने वाले खुद ही टूट कर बिखर रहे है। कैप्टन ने दावा किया कि जनता का आशीर्वाद महाविकास आघाड़ी के साथ है। भाजपा और शिंदे की शिवसेना पालघर जिले की सभी सीटें हार रही है। इसी से महायुति के नेता घबराए हुए है। कैप्टन ने कहा उनकी टक्कर महाविकास आघाड़ी से नहीं बल्कि आपस में है। जनता में महायुति सरकार के खिलाफ आक्रोश चरम पर है। चुनाव के बाद न महायुति की सरकार रहेगी न ही उनका गठबंधन।

जिला परिषद पालघर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली मतदान करने की शपथ

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शनिवार 9 नवंबर 2024 को स्वीप अभियान के तहत मतदान करने की शपथ ली। मतदान करने की सपथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे प्रमुख उपस्थिति में उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जनरल चन्द्रशेखर जगताप की अध्यक्षता में ली गई। शिक्षा अधिकारी प्राथमिक सोनाली मातेकर ने शपथ का वाचन किया।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास प्रवीण भावसार, उपजिला कार्यक्रम समन्वयक एम.आर.ई.जी.एस. अतुल पारसकर, शिक्षा अधिकारी माध्यमिक संगीता भागवत,जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, अधिशाषी अभियंता जलदाय सहित जिला परिषद के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। उक्त आशय की जानकारी जिला परिषद पालघर की जनसंपर्क अधिकारी श्रद्धा घरत द्वारा साझा की गई।

गोपाष्टमी पर हजारों लोगो ने किया गौपूजन

भायंदर(उत्तरशक्ति)। दीपावली के आठवें दिन पड़ने वाली अष्टमी को केशव सृष्टि गौशाला में हजारों लोगो ने गौपूजन किया,गौमाता को वस्त्र अर्पित किए,छप्पन भोग का आयोजन हुआ तथा विविध प्रकार के आयोजन हुए। इस अवसर पर गोप्रेमी मनोज पुरोहित दसपा के हाथो गौ उत्पादन कक्ष का उद्घाटन किया गया। जबकि अग्रसेन फाउंडेशन के भीकमचंद अग्रवाल,तथा विजय फतेहपुरिया के हाथो जनसुविधार्थ बेंचो का उद्घाटन किया गया। उसी प्रकार सुनीता रमेश सिंगला की यजमानी में गौ पुष्टि यज्ञ किया गया जहां पर लोगो ने यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की उसी प्रकार से गौशाला में नवीन कार्यालय का उद्घाटन जयकुमार गुप्ता द्वारा किया गया। जबकि स्वागतम कॉम्प्लेक्स महिला मंडल, तथा सिद्धेश्वरी महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड तथा भजन प्रस्तुत किए गए। गौ प्रेमीयो के लिए महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया।

गोपाष्टमी पर्व की ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यता का उल्लेख करते हुए केशव सृष्टि गौशाला के कार्यवाह डॉक्टर सुशील अग्रवाल ने बताया की यह वही दिन है जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी माता यशोदा से जिद कर गौ-पालन का कार्य अपने हाथों में लिया था। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के गौपालन की शुरूआत के कारण ही उन्हें गोपाल और गोविंद के नाम से भी पूजा जाता है। गोपाष्टमी पर्व भारतीय संस्कृति और गौसेवा की महान परंपरा को पुनर्स्मरण कराता है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री रामचंद रामुका,संगठन मंत्री अनिरुद्ध पंडित,देवकीनंदन जिंदल, केशव सृष्टि कार्यवाह विनय नाथानी,अनुपम शुक्ला, सुचित्रा इंगले,एडवोकेट रवि व्यास सहित अनेक पूर्व नगरसेवको ने गौशाला पहुंच कर गौ पूजन किए। कार्यक्रम को सफल बनाने नरेश पसारी,नेमीचंद चौहान,संजय अग्रवाल,महावीर शर्मा,अरुण बिस्सा, सहित गौशाला कर्मचारियों ने उल्लेखनीय सेवाए दी।

कुमार आयलानी को सेंचुरी परिसर रहवासियों का समर्थन

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर बिरला गेट परिसर स्थित सेंचुरी रेयान कंपनी क्षेत्र के रहवासियों ने भाजपा महायुती प्रत्याशी कुमार आयलानी को अपना समर्थन देने की घोषणा की इस दौरान मोहन खंडारे, राजू खंडारे आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने कुमार आयलानी को आशीर्वाद दिया, उल्हासनगर विधानसभावासियों का यह स्नेह आमदार कुमार आयलानी की शक्ति को दिखाता है।

ओसवाल नगरी नर्मदेश्वर शिव मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा 12 नवंबर से

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व ओसवाल धर्म नगरी स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर पर श्री मद्भागवत कथा का आयोजक प्रेम कृष्ण तिवारी , आयोजक भगवान शिव तथा ओसवाल नगरी के सभी शिवभक्तों द्वारा 12 नवंबर 2024 मंगलवार को श्रीमदभागवत ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन किया जा रहा है। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार व हिंदू धर्म की रक्षा हेतु आयोजित सार्वजनिक संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ नालासोपारा पूर्व में ओसवाल नगरी जिसे आज धर्मसार नगरी भी कहा जाता है, इस धर्म नगरी में वृंदावन की कथा वाचक साध्वी भाग्यश्री देवी जी ने अपने मुखारविंद से अमृत रुपी वर्षा करेंगी । सभी शिव भक्तों से निवेदन है कि ठीक समय पर पधार कर श्री मद्भागवत कथा को सफल बनाएं। श्री मद्भागवत कथा का शुरूआत मंगलवार 12 नवंबर 2024 को शोभा कलशयात्रा सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। उसी दिन शाम 4 बजे से 8 बजे के बीच श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सात दिवसीय कार्यक्रम का श्री गणेश होगा । कथा का पूणार्हुति दिनांक 18 नवंबर 2024 दिन सोमवार को महाप्रसाद(भंडारे) के साथ संपन्न होगा। यह जानकारी व्यवस्थापक प्रेम कृष्ण तिवारी ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड ने एम्सटेल ग्रांडे लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड (यूबीएल) ने भारत में अपने प्रतिष्ठित प्रीमियम बियर ब्रांड, एम्सटेल ग्रांडे को लॉन्च करने की घोषणा की। मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में इसका अनावरण किया गया, जहाँ पूरी थीम उपस्थित लोगों को एम्स्टर्डम की सड़कों पर ले गई। इस लॉन्च के साथ, यूबीएल ने एम्स्टर्डम की 150 वर्षों से अधिक की विरासत के साथ बियर बनाने की उत्कृष्टता को जोड़ते हुए भारत में प्रीमियम बियर के एक नए युग की शुरूआत की है।

इस कार्यक्रम में आदित्य रॉय कपूर, रणविजय सिंघा, वरुण सूद, रघु और राजीव, कुशा कपिला, जिम सरभ, बर्खा सिंह और अहसास चन्ना सहित कई सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति देखी गई।

एम्सटेल ग्रांडे भारतीय उपभोक्ताओं को एक अद्वितीय बियर अनुभव देने का वादा करता है, जिसका श्रेय इसके गुप्त घटक टाइम को जाता है। बियर को धीमी गति से बनाया जाता है और लंबे समय तक पकाया जाता है, जिससे इसका स्वाद पूरी तरह से अच्छा बन जाता हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक समृद्ध, स्मूथ स्वाद प्राप्त होता है। बेहतरीन गुणवत्ता वाले जौ, अद्वितीय डच यीस्ट और सावधानी से चुने गए हॉप्स का उपयोग करके तैयार की गई, एम्सटेल ग्रांडे की प्रत्येक चुस्की गुणवत्ता के प्रति ब्रांड की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

विक्रम बहल, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेडने लॉन्च के बारे में बात करते हुए कहा, ₹हमें भारतीय उपभोक्ताओं के उत्तम स्वाद के लिए तैयार की गई प्रीमियम स्ट्रॉन्ग बीयर, एम्सटेल ग्रांडे को लॉन्च करते हुए खुशी हो रही हैं। अपनी सावधानीपूर्वक धीमी ब्रूइंग प्रक्रिया और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री के माध्यम से, एम्सटेल ग्रांडे वास्तव में एक अनूठा बीयर अनुभव प्रदान करता है। भारतीय बाजार के लिए तैयार की गई, यह प्रीमियम बियर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार है और हमें विश्वास है कि यह उम्मीदों से बढ़कर होगा। एम्सटेल ग्रांडे हमारे प्रीमियम पोर्टफोलियो में एक अलग पहचान बनाने के लिए तैयार है।

महेश गायकवाड़ ने तेज किया अपना चुनाव प्रचार

जनता की समस्याओं को हल करना मेरी जिम्मेदारी : महेश गायकवाड़

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना के बागी नेता निर्दलीय उम्मीदवार महेश दशरथ गायकवाड़ ने शनिवार सुबह नागरिकों से मुलाकात कर बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। शिवसेना के पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा विधायक गणपत गायकवाड की पत्नी सुलभा गणपत गायकवाड को उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा है। गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने पर महेश गायकवाड और उनके कई साथियों को जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है, लेकिन इस कार्रवाई के बावजूद महेश दशरथ गायकवाड़ ने अपना प्रचार कार्य बड़ी तेजी से जारी रखा है।

इसके तहत शनिवार की सुबह उन्होंने कल्याण पूर्व के नंददीप नगर, चंद्रपुष्पा सोसायटी, मंगलराघोनगर के नागरिकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनसे बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। इस दौरान महेश गायकवाड ने कहा कि वर्तमान विधायक जिस वार्ड में रहते हैं वहां भी कोई विकास नहीं हुआ है, इस क्षेत्र के कई नागरिकों ने कहा कि उन्हें बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम जितने के बाद इन समस्याओं का समाधान करेंगे।

ऑल इंडिया एजुकेशनल मूवमेंट नई दिल्ली के तालीमी कारवां का रईस हाई स्कूल भिवंडी में स्वागत

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पूर्व भारतीय राजनयिक अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और हमदर्द यूनिवर्सिटी के चांसलर सैयद हामिद प्रणीत एक शैक्षिक आंदोलन , ऑल इंडिया आइडियल एजुकेशनल मूवमेंट (नईदिल्ली) जिसका उद्देश्य मुसलमानों के बीच शैक्षिक जागरूकता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को पूरे भारत में बढ़ावा देना है, का एक शिष्ट मंडल भिवंडी के रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज पहुंचा । इस अवसर पर रईस कॉलेज के ऑडियो-विजुअल रूम में भिवंडी शहर के शैक्षिक , सामाजिक और साहित्यिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों की मौजूदगी में दिल्ली से तशरीफ लाए ₹तालीमी कारवां₹ का हार्दिक स्वागत किया गया । मुसलमानों में शैक्षिक जागरूकता एवं क्वॉलिटी एजुकेशन को बढ़ावा देने के मिशन पर निकले इस तालीमी कारवां के साथ विचार विमर्श करने हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें कारवां के पदाधिकारियों एवं शहर के बुद्धिजीवियों ने अपने अपने विचार रखे । बैठक की औपचारिक शुरूआत मोमिन फैयाज अहमद द्वारा पवित्र कुरान की तिलावत से हुई । ऑल इंडिया आइडियल एजुकेशनल मूवमेंट तथा तालीमी कारवां की गतिविधियों का परिचय एवं उल्लेख करते हुए महासचिव अब्दुल रशीद ने कहा कि यह शैक्षिक आंदोलन सैयद हामिद साहब द्वारा जारी एक नवोपक्रम है , जिसका उद्देश्य मुसलमानों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रयास करना है । इसके लिए उच्च शिक्षा के अवसर , शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षा तकनीकी, छात्रों के विकास में अभिभावकों की भूमिका और अभिभावकों के लिए नई तकनीक के उपयोग पर समय समय पर पूरे देश में सेमिनार, वर्कशॉप और प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करना भी हमारे मिशन में शामिल है । आपने पिछले सम्मेलनों का उल्लेख किया और बीजापुर (कर्नाटक) में होने वाले आगामी शैक्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया । सलाहकार सैयद मंसूर आगा ने शिक्षा के महत्व , मुसलमानों की शैक्षिक स्थिति, आजीविका और शिक्षा में मुसलमानों की स्थिरता तथा मानवीय मूल्यों के ह्रास पर विस्तृत प्रकाश डाला । मुहम्मद रफी अंसारी ने सैयद हामिद के साथ अपनी मुलाकातों का जिक्र करते हुए कारवां के सदस्यों का स्वागत किया । केएमई सोसाइटी के शैक्षणिक संस्थानों की अकादमिक परिषद के अध्यक्ष जुबैर नार्विल ने सोसायटी के विभिन्न संस्थानों का विवरण प्रस्तुत किया और शैक्षणिक संस्थानों में टेक्नोलॉजी के महत्व को रेखांकित किया । मोमिन फहीम अहमद अब्दुल बारी (राष्ट्रीय मीडिया संयोजक और स्थानीय अध्यक्ष आईटा) ने भिवंडी शहर की सामान्य शैक्षणिक स्थिति, 10वीं,12वीं और स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों, मुक्त विश्वविद्यालयों की सुविधाओं और शैक्षिक, साहित्यिक और सामाजिक संस्थानों पर चर्चा की । बज्म रेखता के मुखलिस फारूक मोमिन ने शहर के उर्दू माध्यम संस्थानों के छात्रों को आगामी कारपोर्ट दुनिया और बज्म रेखता के तत्वावधान में आयोजित प्रसिद्ध सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अंग्रेजी में आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया । खान जाकिर हुसैन ने मुक्त विश्वविद्यालय के महत्व और इससे लाभान्वित होने वाले छात्रों की गतिविधियों का भी उल्लेख किया ।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए एडवोकेट यासीन मोमिन (उपाध्यक्ष कोंकण मुस्लिम एजुकेशन सोसाइटी) ने सैयद हामिद साहब और अन्य प्रतिष्ठित सदस्यों के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों को व्यक्त किया ।

समाज की भावी योजनाओं का जिक्र किया और मुसलमानों की शैक्षणिक स्थिति पर चर्चा की । अब्दुल अजीज अंसारी ने शैक्षिक कारवां के सदस्यों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया । इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्राचार्य जियाउर्रहमान अंसारी को विशेष धन्यवाद विशेष धन्यवाद दिया । रईस जूनियर कॉलेज सहायक प्रधानाध्यापक मुख्लिस मदू ने सफल सूत्र संचालन किया ।इस अवसर पर ऑल इंडिया आइडियल एजुकेशनल मूवमेंट की टीम में शामिल अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे ।शहर के अहम लोगों में सादिक अंसारी , अब्दुल हसीब जामयी , सीमाब अनवर मोमिन , नदीम आजमी एवं अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

केसीएन क्लब द्वारा मार्गदर्शक संजय पाटील के जन्मदिन पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अवध नगर में स्थित श्री शानतेश्वरी दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब (के.सी.एन.क्लब) महाराष्ट्र कमेटी की ओर से शुक्रवार 8 नवम्बर 2024 को महाराष्ट्र प्रदेश मार्गदर्शक व वरिष्ठ समाजसेवी संजय पाटील के 62वें जन्मदिन के मौके पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस मौके पर सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय संरक्षक शोभनाथ त्रिपाठी, सैनिक प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महासचिव भाऊराव तायड़े, युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव विक्रम शुक्ला, लोक कल्याण संस्था अध्यक्ष स्वामीनाथ पाण्डेय, राष्ट्रीय मानवाधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग के अध्यक्ष दयाराम मिश्र, उत्तर भारत सेवा समिति कार्याध्यक्ष संजय सिंह , सत्येंद्र सिंह, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड प्रमुख एस.पी.सिंह, आनन्द गिरी, बजरंग दल के मनोज मिश्रा, महिला शाखा की संगीता जायसवाल, जयंती महतो, केसीएन क्लब प्रदेश अध्यक्ष गंगाधर जगुष्टे आदि के द्वारा फीता काटकर नारियल तोड़कर शिविर की शुरूआत की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्यातिथि महाराष्ट्र प्रदेश मार्गदर्शक संजय पाटील सहित टीम द्वारा दीप प्रज्वलित कर देवी पूजन करने के पश्चात केक काटकर उनका सामूहिक रूप से जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन कोंकण मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र मेश्राम ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश उपाध्यक्ष विजय मौर्या ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह निःशुल्क चिकित्सा शिविर केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्रा त्यागी की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें करीब सवा सौ लोगों ने हिस्सा लेकर शिविर का लाभ उठाया। इस कार्यक्रम के प्रोजेक्ट इंचार्ज के.सी.एन. क्लब पालघर जिला अध्यक्ष यजुवेंद्र सावे और कोऑर्डिनेटर सत्येंद्र यादव रहे। इस अवसर पर शैलेंद्र मिश्र, अरविंद दुबे, आनन्द दुबे, इम्तेयाज खान, नीलेश राउत, संतोष तरे, सुनील त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भिवंडी पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संतोष शेट्टी व पश्चिम विधानसभा प्रत्याशी महेश चौगुले के समर्थन में डोर टू डोर मुलाकात

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा के वरिष्ठ नेता निलेश चौधरी व हनुमान चौधरी अपने कार्यकताओं के साथ भिवंडी पूर्व विधानसभा के प्रत्याशी संतोष शेट्टी व भिवंडी पश्चिम विधानसभा के प्रत्याशी महेश चौगुले के चुनाव प्रचार में डोर टू डोर मतदाताओं से मिलकर महायुति के प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिये चुनाव प्रचार में अपना दम दिखा रहे हैं । बतादें कि महायुति के भिवंडी पूर्व विधानसभा से शिवसेना ने (शिंदे गुट) संतोष शेट्टी को चुनाव मैदान में उतारा है वहीं भिवंडी पश्चिम विधानसभा से भाजपा से 2 बार विधायक रहे महेश चौगुले को 3री बार चुनाव मैदान में उतारा है । जिनके

चुनाव प्रचार के लिये कामतघर शिवसेना शाखा के पास साईबाबा मंदिर में बाबा के दर्शन कर वहीं से डोर टू डोर पदयात्रा प्रचार शुरू कर ताडाली तक गये जिसका मतदाताओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

तमंचे के बल पर महिला से दुष्कर्म, पुलिस ने नहीं दर्ज की प्राथमिकी तो कोर्ट से हुआ आदेश

रियाजुल हक जिला क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर एसीजेएम चतुर्थ ध्रुवेश कुमार यादव की अदालत ने सिंगरामऊ क्षेत्र में एक विवाहिता से कट्टा सटाकर दुष्कर्म करने के आरोप में तीन व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने थानाध्यक्ष सिंगरामऊ को निर्देश दिया है कि वह एक सप्ताह के भीतर एफआईआर की कॉपी न्यायालय में पेश करें। प्राप्त जानकारी के मुताबिक खुटहन की निवासनी उक्त पीड़िता ने आरोप लगाया है कि 19 अगस्त 2024 की रात, जब वह दुधौड़ा बाजार से पैदल अपने घर लौट रही थी, तभी पुलिया के पास बाइक सवार तीन आरोपियों ने कनपटी पर कट्टा सटाकर उसे जबरन खेत की ओर नाले के पास ले गए और दुष्कर्म किया। इस घटना के दौरान शौच के लिए जा रही कुछ महिलाओं ने देखा और शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग जुटने लगे। भीड़ को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। स्थानीय थाने में सुनवाई न होने पर कोर्ट का रुख किया।पीड़िता ने बताया की उक्त घटना की जानकारी थाना सिंगरामऊ और पुलिस अधीक्षक को दी।लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर उसने कोर्ट में 156 के तहत प्रार्थना पत्र दायर किया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष सिंगरामऊ को तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है।

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग के लिए स्वयंसेवकों को कुलपति ने किया रवाना

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 8 एनएसएस स्वयंसेवकों का दल करेगा प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में विभिन्न महाविद्यालयों से चयनित पूर्व गणतंत्र दिवस परेड हेतु 08 स्वयंसेवक -स्वयंसेविकाओं का दल विश्वविद्यालय से रवाना हुआ। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती सदन में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर निश्चित तौर पर समाज और राष्ट्र के प्रति विद्यार्थियों का जो दृष्टिकोण बनेगा वह जीवन पर्यंत रहेगा। हमारे मन में सेवा भाव ही हमें सकारात्मक तरीके से जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव ने बताया कि यह सभी स्वयंसेवक 10 से 19 नवंबर 2024 तक बी .आई.टी.पटना में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग करेंगे ,इसके बाद इनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए होगा। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ.शशिकांत यादव ,शिया कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अवधेश मौर्य, डॉ.तेज प्रताप सिंह, कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय मंत्री, डॉ.नीरज कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर इस अवसर पर उपस्थित रहे।

शाहगंज में कान्हा गौशाला पशु आश्रय स्थल का निर्माण शीघ्र

- बेसहारा पशुओं को गौशाला निर्माण से मिलेगा सहारा: रचना सिंह
- पाकड़पुर में 165.89 लाख से शुरू होगा कान्हा गौशाला का निर्माण

शिव कुमार प्रजापति

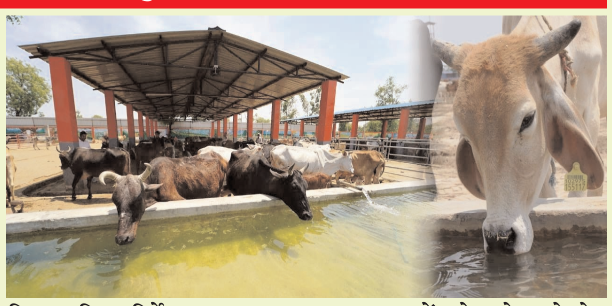

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना के अंतर्गत निर्माण जल्द शुरू होगा। शाहगंज नगर पालिका परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि विरेन्द्र सिंह बंटी ने बताया कि नगर पालिका परिषद शाहगंज अंतर्गत गौशाला का निर्माण जल्द ही नगर के निकटवर्ती ग्राम सभा पाकड़पुर में शुरू कराया जाएगा ।जिसके लिए स्थल चिन्हित कर लिया गया है।

कान्हा गौशाला पशु आश्रय स्थल की स्थापना किए जाने हेतु विस्तृत दिशा निर्देश शासन द्वारा निर्गत किए गए हैं। शाहगंज नगर निकाय के अन्तर्गत निर्मित किए जाने वाली कान्हा गौशाला पशु शेल्टर होम्स निकाय में न्यूनतम 500 पशुओं को रखे जाने हेतु अधिकतम 165.89 लाख की कार्य योजना का मॉडल प्रारूप निर्धारित की गई है। उक्त प्रारूप के अनुसार गौशाला में विभिन्न सुविधा होगी। चारा गोदाम, 500 गौवंशो के लिए शेड, वेटनरी क्लीनिक विद कैटल क्रश, भूसा कटल शेड, सर्वेन्ट क्वाटर, छोटे साइज के गेट मेन गेट, चरही, नाली, सहित सबमर्सिबल पंप, बायोगैस प्लान्ट बाउंड्रीवाल। गौशाला हेतु 2024- 25 में कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना अंतर्गत निर्धारित मॉडल योजना के अनुसार उत्तर प्रदेश के 12 नगर निकायों को कान्हा गौशाला पशु शेल्टर होम्स के निर्माण हेतु कुल लागत 1989.74 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति एवं उक्त के अंतर्गत कुल अवमुक्त किए जाने हेतु माननीय राज्यपाल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है।

शासन द्वारा उत्तर प्रदेश में 12 निकायों को गौशाला निर्माण हेतु चिन्हित किया गया है। जिसमें शाहगंज नगर पालिका परिषद भी एक है, कान्हा गौशाला एवं पशु आश्रय स्थल की स्थापना से बेसहारा पशुओं को सहारा मिलेगा।

–रचना सिंह अध्यक्ष नगर पालिका परिषद शाहगंज, जौनपुर

महाराजगंज पुलिस ने तंमचा व कारतूस के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना महाराजगंज पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त को तंमचा व कारतुस के साथ किया गया गिरफ्तार ।पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं आपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के निकट पर्यवेक्षण में थाना महाराजगंज पुलिस टीम द्वारा थानाध्यक्ष महाराजगंज ओमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में उ0नि0 कृपाशंकर मिश्रा मय हमराह द्वारा अभियुक्त प्रद्युमन यादव पुत्र रामआसरे यादव निवासी ग्राम डेल्हूपुर महराजगंज थाना महराजगंज जिला जौनपुर उम्र 20 वर्ष को दिनांक 08.11.2024 समय 16.00 बजे महराजगंज-सुजानगंज मार्ग भटपुरा नहर के पास से एक तमंचा व एक कारतूस जिंदा 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 176/2024 धारा 9/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया। बरामदगी-1. एक तमंचा व एक कारतूस जिंदा 12 बोर।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव, परिवार में मचा कोहराम

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद के मुगदलपुर गोला गांव निवासी 20 वर्षीय युवक का शव शनिवार की सुबह घुरहूपुर के पास एक खाली प्लॉट में नीम के पेड़ से लटकता मिला। इससे परिजनों में कोहराम मच गा। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मुगदलपुर निवासी रामबदन मौर्य का पुत्र चंदन मौर्या (20 वर्ष) इंटरमीडिएट परीक्षा पास करने के बाद अपने पिता के बल्ली पटरा की दुकान पर मदद करता था। शुक्रवार की रात वह खाना खाकर सोया था। वहीं शनिवार की सुबह पांच बजे टहलने के लिए घर से निकला। मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने घुरहूपुर में नीम के पेड़ से उसकी लाश लटकती देखी तो पुलिस और परिजनों को सूचना दी। घटना की जानकारी के बाद परिजन भागकर वहां पहुंचे। सूचना के बाद एसीपी सारनाथ डा. अतुल अंजान त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का लग रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। पिता ने बताया कि चंदन मानसिक बीमारी से पीड़ित था और उसका इलाज चल रहा था। इससे परेशान रहता था।

खेत में पानी ले जाने को लेकर दो पक्षों में चले लाठी व डंडे, महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पिलखिनी गांव में शनिवार को एक खेत मे पानी ले जाने को लेकर दो पक्षों में लाठी व डंडे चले। जिसमें महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह शिवपूजन के धान के खेत में पानी जा रहा था। खेत में धान का गठर बना कर खेत में रखा था। और उसमें पानी जा रहा था ।पानी रोकने के लिए शिव पूजन खेत में बने नाली को बंद कर रहे थे। तभी उनके पड़ोसी 20 से 25 की संख्या में आकार शिवपुजन के परिवार के उपर लाठी डंडा व कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिसमें शिवपुजन 45 (वर्ष), प्रभावती (70) वर्ष, किशन (26) वर्ष, रोशन (23) वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए।वहीं शिवपूजन प्रभावती की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों की टीम ने इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया । वहीं आपको बताते चलें कि किशन और रोशन का उपचार ज़िला चिकित्सालय जौनपुर में चल रहा है। घटना स्थल पर मौके पर पहुंचे जिले के आला अधिकारियों ने पीड़ितों से मिलकर उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मुख्यालय के पास स्थित सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर जौनपुर में दिनांक 09.11.2024 को विधिक साक्षरता एवं जागरूकता विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,जौनपुर एवं महाविद्यालय के रोवर्स-रेंजर्स विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो.ब्रजेंद्र सिंह ने कहा कि छात्राओं एवं महिलाओं को संकोच एवं भावनाओं से आगे बढ़कर अपने अधिकार एवं कानून के प्रति जागरूकता एवं सक्रियता दिखानी चाहिए, जिससे समाज में महिलाओं को लेकर व्याप्त कुंठाएं कमजोर पड़ सकें। मुख्य अतिथि प्रो.धीरेन्द्र पटेल ने स्त्री विमर्श के सभी पक्षों का ज्ञानवर्धक विश्लेषण किया। विशिष्ट अतिथियों चंद्रावती निगम,डॉ.किरन यादव (अध्यक्ष गृह विज्ञान विभाग),डॉ.रागिनी सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर प्रा.इतिहास) ने अपने विचारों को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा। वैचारिक संगोष्ठी का संचालन करते हुए महाविद्यालय के रोवर्स-रेंजर्स प्रभारी डॉ.कर्मचन्द यादव ने उन परिस्थितियों और बाधाओं की तरफ ध्यान आकर्षित कराया,जिनकी वजह से विशेष कानून एवं संवैधानिक प्रावधान होने के बावजूद भी महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में पिछड़ी हुई हैं। इस अवसर पर शैलेश विश्वकर्मा,नंदिता सिंह,खुशी सिंह,वर्तिका सिंह,जान्हवी सिंह,अंशु गुप्ता,अंशिका यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल पहुंचे काशी, मार्कंडेय महादेव मंदिर में सपरिवार किया जलाभिषेक

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने सपरिवार शनिवार को कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव मंदिर में विधि- विधान से बाबा का जलाभिषेक किया। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का अभिषेक करते हुए जलार्पण कराया। राज्यपाल ने विशेष आरती में भी भाग लिया। पूजा-पाठ करने के बाद राज्यपाल ने गोस्वामी समाज से मंदिर के ऐतिहासिक महत्व और यहां के धार्मिकता की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अद्वितीय धार्मिक स्थल व यहां कराए गए विकास का अवलोकन कर इस धार्मिक स्थल के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की। साथ ही मंदिर के पुजारियों व व्यवस्थापकों की प्रसंशा भी की। उन्होंने भगवान शिव से देश, समाज और जनकल्याण के लिए अराधना की। इस पूरे अनुष्ठान के दौरान राज्यपाल की सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। इस मौके पर गोस्वामी समाज के पुजारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया।

अंतर विश्वविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता में पूर्वांचल विवि बना चैम्पियन

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, उपविजेता, महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ को मिला तीसरा स्थान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित मेजर ध्यान चन्द क्रीडा संकुल में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय कबड्डी पुरुष प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम विजेता रही. समापन समारोह की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय कबड्डी पुरुष टीम के कैप्टन मंजीत और कोच निर्भय सिंह को विजेता ट्रॉफी प्रदान की. उन्होंने कहा कि पूर्वी क्षेत्र की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया. विशिष्ट अतिथि कुलसचिव महेन्द्र कुमार एवं वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता के आखिरी दिन का पहला मैच वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के बीच खेला गया जिसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी को 32-15 के अन्तर से पराजित किया। दूसरा मैच महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ और ललित नारायन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के बीच खेला गया जिसमें महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ ने ललित नारायन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को 35-21 के अन्तर से पराजित किया। तीसरा मैच मैच वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर और ललित नारायन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के बीच खेला गया जिसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने ललित नारायन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को 39-19 के अन्तर से पराजित किया। चैथा मैच महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी और महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के बीच खेला गया जिसमें महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ को 31-21 के अन्तर से पराजित किया। निर्णायक की भूमिका में रवि चन्द यादव, दशरथ पाल, विरेन्द्र यादव, मो0 अकरम, जे0पी0 सिंह, धीरज प्रसाद, प्रशान्त सिंह, श्री ध्वज, अमित कुमार, हूबलाल, राकेश यादव, लाल साहब, कमलेश सिंह, अखिलेश यादव, धर्मेन्द्र पटेल, गुलाब चन्द यादव, कन्हैया लाल, सुरेश कुमार यादव आदि रहे।समापन सत्र में ओ0पी0 सिंह, सचिव, खेलकूद परिषद ने आये हुये अतिथियों का स्वागत किया तथा धन्यवाद दिया। उक्त अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो0 देवराज सिंह, अध्यक्ष, शिक्षक संघ, डॉ. राहुल सिंह, महामंत्री डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो0 राजकुमार, डा0 मनीष प्रताप सिंह, डा0 श्याम कन्हैया, डा0 दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ0 शेखर सिंह, प्रो0 चन्द्रभान सिंह, प्रो. अमित श्रीवास्तव, डा0 विजय प्रताप तिवारी, डा0 नृपेन्द्र सिंह, डा0 पी0के0 सिंह कौशिक, नन्द किशोर सिंह, अध्यक्ष, कर्मचारी संघ, रमेश यादव, महामंत्री, कर्मचारी संघ, रजनीश कुमार सिंह, खेल सहायक, डा0 राजेश सिंह, सत्येन्द्र कुमार सिंह, जय सिंह गहलोत, विजय प्रकाश, अल्का सिंह, भानू शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

बिना गारण्टी 5 लाख तक ऋण दिये जाने हेतु कवायद शुरू: उपायुक्त उद्योग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने अवगत कराया है कि उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा सूक्ष्म उद्यमो की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (मुख्यमंत्री युवा) के अन्तर्गत प्रदेश में प्रतिवर्ष 1 लाख युवाओ को बिना गारण्टी 5 लाख तक ऋण दिये जाने हेतु कवायद शुरू कर दिये गए है। योजना हेतु पात्रता में आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए एवं 21 से 40 वर्ष आयु होनी चाहिए तथा शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा 8 उर्त्तीर्ण होना चाहिए। आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं अथवा किसी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान से कौशल सम्बंधी सर्टिफिकेट/डिप्लोमा होना चाहिए। योजनान्तर्गत उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रू0 5 लाख तक की परियोजनाओ के ऋण पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जाएगा एवं ऋण के शत-प्रतिशत ब्याज का उपादान 4 वर्षो के लिए दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर से सम्पर्क कर सकते हैं।

कुत्तुपुर तिराहे के पास गंभीर अवस्था में मिला अज्ञात व्यक्ति

कलीम अहमद, सरायख्वाजा,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुत्तूपुर तिराहे के निकट एक व्यक्ति जिसकी आयु लगभग 30 वर्ष है होगी जो अत्यंत गंभीर अवस्था में सड़क किनारे पड़ा हुआ है।और समय समय पर खून की उल्टी भी हो रही वहां के राहगीरों से पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति के बारे में कोई उपयुक्त एवं सटीक जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जनपदीय चयन/ट्रायल्स

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 कुश्ती संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 24 नवम्बर, 2024 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में किया जा रहा है ।उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर की सब जूनियर बालिका कुश्ती खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 14 नवम्बर 2024 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सब जूनियर खिलाड़ी ही 16 नवम्बर 2024 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में प्रातः 9.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगी। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। खिलाड़ियों की जन्म तिथि- वर्ष 2007-08 में जन्में (16-17 वर्ष) और 2009 (15 वर्ष) खिलाड़ी चिकित्सा व माता-पिता के प्रमाण पत्र के साथ भाग ले सकते हैं। आयु और निवास के सत्यापन के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट, जन्म प्रमाण लाना अनिवार्य होगा। खिलाड़ियों का भार वर्ग- 36, 40, 43, 46, 49, 53, 57, 61, 65, 69, व 73 किग्रा0 होना चाहिए।

जौनपुर यातायात पुलिस ने काटा 1285 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1285 वाहनों का चालान किया गया। आज दिनांक 09.11.2024 को पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात/नगर देवेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला, व समस्त उप निरीक्षक यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा तिराहाओं पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी । तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया । हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1285 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांकः09.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाहीः- कुल चालान संख्याः- 1285 बिना हेलमेट वाहन चलानाः-1055 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः-36 तीन सवारी वाहन चालानाः- 53 यातायात नियमों का उल्लंघनः- 18 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः-16 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-8 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः- 2 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः-21 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः-1 ओवर स्पीड वाहन चलानाः- 1 नो पार्किंगः-21 शेष अन्य धारा मेः-55

सिकरारा पुलिस ने अपहरण में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा अपहरण में वांछित 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार, पीड़िता बरामद। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, अजयपाल शर्मा द्वारा जनपद में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार गुप्ता मय हमराही कर्मचारी गणो द्वारा आज दिनांक 09.11.2024 को मु0अ0सं0-267/2024 धारा 137(2)/87/61(2) /351 (2) बीएनएस थाना सिकरारा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को मुखबिर खास की सूचना पर सिकरारा चौराहे से गिरफ्तार एवं पीड़िता की बरामदगी कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। नाम व पता अभियुक्त- 1. रवि गौड़ पुत्र प्रदीप गौड़ निवासी ग्राम समसपुर थाना सिकरारा जनपद जौनपुर।

ट्रेन के डब्बे में संदिग्ध परिस्थितयों में एक व्यक्ति की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रयागराज रेल्वे ट्रैक के एक अहम स्टेशन जंघई रेलवे स्टेशन पर लुधियाना से लौट रहे धर्मेंद्र गौतम 40 वर्ष पुत्र हरिराम पिछले 7 नवंबर 2024 को ट्रेन से लुधियाना से चलकर अंबेडकर नगर अकबरपुर जाने वाला था तभी जीआरपी जंघई ने उसका शव ट्रेन के डब्बे से बरामद किया। मृतक तरोना बांसगांव राजे सुल्तानपुर जिला अंबेडकर नगर अकबरपुर का रहने वाला है मरने का कारण अभी पता नहीं हो पाया है। बाकी परिवार वालों ने बताया कि बैग और अन्य कोई सामान उसके पास से नहीं मिला है। उसकी जेब से मोबाइल नंबर प्राप्त हुआ मोबाइल नंबर पर जीआरपी वालों ने फोन किया फोन नंबर घर वालों का ही निकला,पहचान घर वालों ने आकर किया जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि उसकी मृत्यु कैसे हुई। वैसे सामान गायब होने की वजह से अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक जहर खुरानी का शिकार हुआ है क्योंकि जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अक्सर दूर दराज से यात्रा कर रहे यात्री जहर खुरानी का शिकार होते चले आ रहे हैं।आरपीएफ और जिला प्रशासन व जीआरपी वाले इस प्रकार की घटना को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाने में नाकाम नजर आ रहे हैं।

इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण में घटिया सामाग्री लगाने का आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय के वॉर्ड नंबर 10 कोहरौटी मोहल्ले में हो रहे नाली एवं इंटरलाकिंग निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा मानक के विपरीत निर्माण कर के अनियमितता बरती जा रही है। वार्ड वासी सफर शेख ने आरोप लगाते हुए कहा कि सफेद बालू एवं ईंट, गिट्टी सीमेंट इत्यादि जो मानक के अनुसार काफी कम मात्रा में इस्तेमाल किया जा रहा है। एवं पुरानी बनी नाली पर प्लास्टर करके निर्माण कराया जा रहा है जो मानक के अनुसार नहीं है वार्ड वासी ने बताया कि अगर मानक के अनुसार कार्य नहीं कराया जाएगा तो इसकी शिकायत वह उच्च अधिकारियों से करेगा।

रास्ते पर खड़े जेसीबी की चपेट में आने से बाइक सवार मां बेटे की मौत

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के सिपाह चौकी के पास शनिवार को जेसीबी की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने जेसीबी को कब्जे में लेकर कार्रवाई कर रही है। बताते हैं कि जफराबाद थाना क्षेत्र के नासही जाफराबाद गांव निवासी आसमा बानो (31) पत्नी आजाद अहमद, 3 वर्षीय बेटा अल्फाज अहमद को लेकर आसमा बानो का भाई जमाल अहमद सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जपटापुर गांव से अपनी बहन व भांजे को लेकर बाइक द्वारा जफराबाद घर पहुंचने जा रहा था कि शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह चौकी के पास शनिवार दोपहर करीब 2 बजे जेसीबी की चपेट में आ गया जिससे बालक की घटना स्थल पर मौत हो गई। आसमा बानो को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टरों ने आसमा को मृत घोषित कर दिया। चौकी इंचार्ज सिपाह धनंजय राय ने जेसीबी को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गए हैं। वहीं परिजनों में कोहराम मच गया है।

नालासोपारा निवासी समाजसेवी पंडित महेंद्र शर्मा को मातृ शोक

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्वस्तिक पार्क निवासी पंडित महेंद्र शर्मा की माता श्रीमती विद्यावती अमरनाथ शर्मा 9 नवंबर 2024 दिन शनिवार को सुबह 6 बजे निधन हो गया। वे 95 वर्ष की कठीन पड़ाव पार कर चुकी थी। वे एक सरल विचार, मिलनसार स्वभाव में वर्चस्व रखने वाली सामाजिक महिला थी। वह कई दिनों से बिमार चल रही थी। उनके निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी उनके घर पर जाकर लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका अंतिम संस्कार नालासोपारा पूर्व श्मशान भूमि पर उनके छोटे पुत्र पंडित महेंद्र शर्मा ने मुख अग्नि दे कर किया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। बड़ा पुत्र गुलाब शर्मा, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, योगेन्द्र शर्मा, महेंद्र शर्मा, बेटी मंजू शर्मा, नाती सूरज शर्मा, पंकज, पवन, सचिन, साहिल, मोहित, अनिकेत शर्मा, पोती सपना, खुशबू, खुशी, हर्ष शर्मा, सुरज शर्मा समस्त शोकाकुल शर्मा परिवार ने दिवंगत के आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इनका मातृ भूमि ग्राम रकसवां तकिया राम, पोस्ट मझगवां कला तहसील केराकत जिला जौनपुर के मुल निवासी हैं। मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, दैनिक उत्तर शक्ति के सहयोगी जगदीश तिवारी, आचार्य पंडित एडवोकेट दिनानाथ शुक्ल, पत्रकार आनंद कुमार मिश्र, पत्रकार राजेश शर्मा, समाज सेवी राजू शुक्ला, पत्रकार मुकेश त्रिपाठी ने भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। कहा कि ईश्वर परिवार वालों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

एमएच के सबसे अमीर उम्मीदवार के सामने अपक्ष निर्दलीय उम्मीदवार नित्यानंद शर्मा

मुंबई। घाटकोपर पूर्व 170 विधानसभा के महायुति उम्मीदवार महाराष्ट्र के सबसे अमीर उम्मीदवार पराग शाह के सामने अपक्ष निर्दलीय उम्मीदवार एडवोकेट नित्यानंद रामजतन शर्मा ने माता रमाबाई कॉलोनी स्थित डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को नमन कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत करते हुए चुनावी प्रचार का शुभारंभ किया।

एनआईए एक्ट में संशोधन के बाद एनआईए अब विदेश में भी जाँच कर सकती है

मुंबई। साल 2014 में जिस समय देश की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभाली थी। उस समय उन्होंने यह बात जग जाहिर कर दी थी कि, भारत देश अब आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ेगा। आतंकवाद से समझौता नहीं, आतंकवादियों का हिसाब होगा। इन 10 वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ भाजपा सरकार ने एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार कर इस समस्या को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए अनेकों योजनाएं भी तैयार की है।

इस कड़ी में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन-2024 के उद्घाटन सत्र में पहुंच कर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक ओर एनआईए की पूरी टीम को बधाई दी तो, दूसरी ओर उन्होंने 75 सालों में देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा को बनाए रखने के लिए शहीद हुए 36,468 पुलिसकर्मियों को भी याद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, ह्यबीते 10 सालों से मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार मोदी जी के नेतृत्व में एक ठोस रणनीति लेकर चल रही है। मोदी जी की इस नीति को आज पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। बीते 10 साल में एक ओर जहाँ आतंकवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का सख्त रवैया देखने को मिला है। वहीं टेररिज्म के साथ ही नारकोटिक्स के खिलाफ आज हमारे देश में एक मजबूत इकोसिस्टम बनकर तैयार हुआ है। जिसका लोहा पूरी दुनिया मान रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के बादौलत आज जहाँ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में शामिल एजेंसियों को कानूनी रूप से मजबूती मिली है। वहीं एनआईए एक्ट में संसोधिन भी किया गया है। जिसमें नए अपराध जोड़े गए हैं साथ ही एक्स्ट्रा टेरिटोरियल क्षेत्राधिकार भी दिया गया है। आज एनआईए आतंकवाद खिलाफ जाँच करने के लिए विदेश में भी जा सकती है। यूएपीए में भी 14 अगस्त, 2019 को संशोधन किया गया और संपत्ति जब्त करने का अधिकार दिया गया। जिसके तहत यूएपीए को व्यक्ति विशेष और संगठन को आतंकवादी घोषित करने का उन्हें अधिकार दिया गया। आज दुनिया की सबसे गंभीर समस्याओं की अगर बात करें तो, आतंकवाद उसमें सर्वोपरि है। ऐसे में अपनी देश को सुरक्षित रखना, देश में शांति व्यवस्था कायम रखना और आतंकवाद का सफाया करना। यह हर देश की चुनौती बन गया है। हालांकि बीते 10 वर्ष में मोदी और शाह की जोड़ी ने जहाँ सीमा सुरक्षा चाक-चौबंद की है। साथ ही आतंकवाद और उनके आकाओं पर भी गहरा प्रहार किया है। इनकी अगुवाई में भारत देश ने समय-समय पर साफ संकेत दिया है कि, आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज अमित शाह की अगुवाई में गृह मंत्रालय ने जहाँ आतंकवादी फंडिंग की कमर तोड़ कर रख दी है।

सड़क हादसे में घायल लूना सवार व्यक्ति की मौत

पुलिस की लापरवाही से अभी तक नही हो पाई शिनाख्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा के अंतर्गत जौनपुर मछली शहर रोड पर अनापुर गांव के पास रविवार को हुए एक सड़क हादसे में एक 57 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसा जौनपुर-मछलीशहर मार्ग पर हुआ।जहां एक लूना टीवीएस एक्सएल (नंबर यूपी 62 एबी 7465) सवार व्यक्ति की टैम्पो से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना सिकरारा पुलिस को दी।जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस से घायल व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा के लिए सीएचसी मछलीशहर भेजा। वहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जौनपुर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसकी लूना को कब्जे पर लेकर नंबर के आधार पर उसकी पहचान करने की कोशिश में जुटी हुई है शव को जिला अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया गया है।खबर लिखे जाने तक उक्त व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई हैं।

दोस्त ही निकला दोस्त का कातिल, पत्नी का था अवैध संबंध तो पति को मरवाया

एमपी में मिली अधजली लाश का खुला राज

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कटनी,मध्य प्रदेश,एसपी कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि शव बुरी तरह जल चुका था इसीलिए, उसकी शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। पुलिस ने हाइवे से लेकर आसपास लगे करीब आधा सैकड़ा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले तो एक स्थानीय युवक अभिषेक यादव की पहचान हुई। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने बताया कि मृतक का नाम संदीप यादव (30 वर्ष) है और जौनपुर उत्तरप्रदेश का रहने वाला है। कटनी पुलिस ने स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र में मिली अधजली लाश के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कटनी एसपी अभिजीत कुमार रंजन ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक की हत्या अवैध संबंधों के चलते हुई थी, मृतक के दोस्त से पत्नी के संबंध थे। दोस्त ने ही हत्याकांड को अंजाम दिया था। दरअसल, कटनी जिले में एक नवंबर की सुबह एक अर्द्धजली लाश मिलने से सनसनी फैल गई थी।घटना की जानकारी लगते ही स्लीमनाबाद एसडीओपी अखिलेश गौर, टीआई अखिलेश दहिया, डॉग स्क्वायड, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट सहित फॉरेंसिक टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची थी। इलाके को सील करते हुए जांच शुरू की तो खुलासा हुआ। जिला क्राइम रिपोर्टर रियाजुल के मुताबिक संदीप यादव पुत्र महेंद्र प्रसाद यादव जिसकी उम्र लगभग 30 साल है सलैया थाना आसपुर जिला प्रतापगढ़ का रहने वाला है और जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर में रहकर ऑटो पार्ट्स की दुकान चलाता है वहीं पर वह किराए पर भी रहता है। जहां जौनपुर निवासी दीपक यादव का उसके घर आना जाना हो गया और दीपक की निगाहें उसकी खूबसूरत पत्नी पर अटक गई मृतक संदीप यादव अपने दुकान पर समय देने के वजह से घर पर कम आता जाता था उधर दीपक का अवैध संबंध उसकी पत्नी से हो गया बताया जा रहा है यह संबंध पिछले तीन साल से चल रहा था जब संदीप यादव को इसकी जानकारी हुई तो इसकी वजह से अक्सर संदीप यादव अपनी पत्नी को प्रताड़ित करता रहता था यह बात दीपक को नागवार लगी तो उसने अपने एक अन्य दोस्त सत्येंद्र यादव जो कि आपराधिक परवर्ती का बताया जा रहा है के साथ मिलकर दिवाली से 2 दिन पहले संदीप यादव को जान से मारने की योजना बनाई। योजना अनुसार सत्येंद्र यादव का मध्य प्रदेश के कटनी के घुघरी गांव निवासी अभिषेक यादव के यहां रिश्तेदारी थी सत्येंद्र यादव और दीपक ने मिलकर संदीप यादव को मेहर घूमने की योजना बनाई और इस तरीके से उन्होंने रास्ते भर अधिक शराब उसको पिलाई और घुघरी गांव में पहाड़ों के बीच में ले जाकर के योजना के अनुसार सिर कुच कर उसकी हत्या कर दी सतेंद्र के अनुसार उसके चचेरे भाई अभिषेक यादव उसके दोस्त आनंद यादव व एक किशोर ने मिलकर संदीप की हत्या को अंजाम दिया। इस हत्या में संदीप की पत्नी ने भी साथ दिया जो जौनपुर में रहकर के मोबाइल पर पूरी लोकेशन लेकर हत्या के बारे में जानकारी ले रही थी उसको पुलिस ने अभी गिरफ्तार नही किया है।

प्रोवाइन मुंबई के 2024 संस्करण में ऑस्ट्रेलियाई प्रीमियम वाइन की वापसी

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) के अवसरों और भारतीय बाजार में बढ़ती वाइन की मांग का फायदा उठाने के लिए ऑस्ट्रेलिया की कई वाइन कंपनियां प्रोवाइन मुंबई 2024 में भाग ले रही हैं। यहां वे भारतीय आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रीमियम ऑस्ट्रेलियाई वाइन का अनुभव देने का मौका देंगी। ऑस्ट्रेड (ऑस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमीशन) ग्लोबल विक्टोरिया और इन्वेस्टमेंट एनएसडब्ल्यू के साथ साझेदारी में वाइन ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से 11 ऑस्ट्रेलियाई वाइनरीज को इस कार्यक्रम में ला रहा है। इन वाइनरीज अपने बेहतरीन वाइन कलेक्शन का प्रदर्शन करेंगी, जो ऑस्ट्रेलियाई वाइन की विविधता और गुणवत्ता को दशार्ता है। इस इवेंट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई पवेलियन में इन वाइनरीज की वाइन उपलब्ध होंगी। इनमें से कुछ वाइन को विशेष रूप से आयोजित मास्टरक्लास में भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिनकी मेजबानी वाइन विशेषज्ञ निखिल अग्रवाल करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई भागीदारी पर बात करते हुए ऑस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमीशन के सीनियर ट्रेड और इन्वेस्टमेंट कमिश्नर, जॉन साउथवेल ने कहा, ₹भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ती साझेदारी भारतीय आयातकों के साथ मिलकर काम करने और ऑस्ट्रेलिया की बेहतरीन वाइन को भारतीय बाजार में लाने के हमारे सपने को पूरा करती है। भारत, दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा दे रहा है और इसमें भारतीय वाइन उद्योग के विकास के लिए तकनीकी सहयोग भी शामिल है।

अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव 2024 का 7वां एडिशन शुरू

नवी मुंबई। अपोलो कैंसर सेंटर, नवी मुंबई द्वारा आयोजित अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव का 7वां एडिशन 8 से 10 नवंबर तक चलेगा और इसमें अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के 400 से अधिक फैकल्टी, कैंसर देखभाल विशेषज्ञ और रिसर्चर सहित 2,000 से अधिक ऑन्कोलॉजिस्ट भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम कैंसर देखभाल में नवीनतम प्रगति और नवाचारों पर चर्चा करने, आधुनिक उपचारों से लेकर सटीक ऑन्कोलॉजी तक के विकसित परिदृश्य पर चर्चा करने पर केंद्रित है। स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के लिए पैनल चर्चा, कार्यशालाओं और रिसर्च प्रेजेंटेशन में भाग लेने के लिए यह एक प्रभावशाली मंच है। इसमें मुख्य भाषण और कई सत्रों में

कैंसर देखभाल के पहले से चले आ रहे उपचारों और प्रबंधन रणनीतियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। डॉ.एलिसाबेत वीडरपास, निर्देशक-इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC), विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा, IARC के 2022 के अनुमानों से पता चलता है कि दुनिया भर में कैंसर का बोझ 2022 में 20 मिलियन नए मामलों से बढ़कर 2050 तक 35 मिलियन हो जाने का अनुमान है। भारत में 2022 में कैंसर के 1.41 मिलियन नए मामले आए थे, यह आंकड़े बढ़कर 2050 में 2.69 मिलियन होने की उम्मीद है। इस खतरनाक अनुमान के साथ, रोकथाम कैंसर महामारी के लिए बहुत ही जरूरी बन गई है। अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव 2024 जैसी पहल स्थानीय विशेषज्ञों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रभावशाली मंच प्रदान करती है। कअफ्ठ में, हमारा लक्ष्य है एक ऐसी दुनिया बनाएं, जहां कैंसर के मामलें कम से कम हो। इसके लिए रोकथाम और बीमारी की जल्द से जल्द पहचान में सक्रिय, सबूतों पर आधारित नीतियों की आवश्यकता है। और हमारे सामूहिक मिशन को मजबूत करने का एक उल्लेखनीय अवसर है। दिनेश माधवन, अध्यक्ष, ग्रुप ऑन्कोलॉजी एंड इंटरनेशनल-अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड ने कहा, ऑन्कोलॉजी का क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, दुनिया भर में हो रहे अभूतपूर्व नवाचारों को सभी के सामने लाना महत्वपूर्ण है। कैंसर का जल्द से जल्द पता लगाने में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। हमारे यहां अच्छी तरह से प्रशिक्षित चिकित्सकों और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ, हम ऑन्कोलॉजी क्षेत्र को नया रूप देने के लिए प्रयासशील हैं। आज, कैंसर देखभाल का मतलब व्यापक, 360-डिग्री सहायता प्रदान करना है। कैंसर प्रबंधन और उपचार में तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल रखते हुए, अपोलो कैंसर सेंटर इस परिवर्तनकारी सफर में सबसे आगे है, जो 147 देशों में 3.5 बिलियन लोगों की सेवा कर रहा है।

उत्तर भारतीयों का आक्रोश, अमित साटम का उड़ायेगा होश

मुंबई। उत्तर भारतीयों की भावनाओं का ध्यान न रखते हुए जिन विधानसभा में भाजपा ने सही प्रत्याशी नहीं उतारा, उनमें अंधेरी पश्चिम विधानसभा भी शामिल है। निवर्तमान विधायक अमित साटम की टिकट न दिए जाने को लेकर नाराज उत्तर भारतीयों ने भाजपा हाई कमान को अल्टीमेटम दे रखा था, परंतु भाजपा ने अमित साटम को दोबारा टिकट देकर यहां के उत्तर भारतीय मतदाताओं को और नाराज कर दिया है। विधायक रहते हुए अमित साटम ने उत्तर भारतीय हॉकर्स और फेरी वालों से कई बार मारपीट की । उनके खिलाफ जुहू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। संजय निरुपम के नेतृत्व में उत्तर भारतीयों ने कई बार अमित साटम के खिलाफ आंदोलन किया। ऐसे में अमित साटम को दोबारा टिकट देकर भाजपा ने उत्तर भारतीय मतदाताओं को आक्रोशित कर दिया है। ऐसे में अमित साटम की सीट पूरी तरह से खतरे में पड़ चुकी हैं। एक उत्तर भारतीय नेता के अनुसार अमित साटम को टिकट देकर भाजपा ने बहुत बड़ी गलती कर दी है। मतदान के दिन उत्तर भारतीय ,साटम द्वारा किए गए जुल्म का हिसाब चुकाएंगे। देखा जाए तो साटम का 5 साल का कार्यकाल पूरी तरह से उत्तर भारतीय विरोधी रहा। खासकर सड़क के किनारे धंधा और फेरी करने वाले गरीब उत्तर भारतीय उनकी टारगेट पर रहे। सत्ता और प्रशासन के बल पर साटम ने उत्तर भारतीयों के साथ जो दुर्व्यवहार किया, उसका जवाब उत्तर भारतीय मतदाता अपने मतदान की ताकत पर देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

नंदलाल वाधवा रिपब्लिकन पार्टी ठाणे जिला के उपाध्यक्ष नियुक्त

-आदेश मिश्र

मुंबई। विधानसभा चुनाव जल्द ही संपन्न होने वाला है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अनेक राजनीतिक दलों में कार्यकताओं की नियुक्तियां अब भी शुरू है। इसी कड़ी में उल्हासनगर के सामाजिक कार्यकर्ता और प्रसिद्ध व्यवसायी तथा सिंधी समाज के वरिष्ठ नेता नंदलाल वाधवा को रिपब्लिकन पार्टी के ठाणे जिला का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वाधवा की नियुक्ति की घोषणा रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले द्वारा की गई। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी में सभी जातियों और धर्मों को समान स्थान है। रिपब्लिकन पार्टी न केवल दलितों की पार्टी है, बल्कि सभी जातियों और धर्मों को पार्टी है। बता दें कि बलराम गायकवाड़ ठाणे जिला के अध्यक्ष हैं और नंदलाल वाधवा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सिंधी समाज के नेता नंदलाल वाधवा को रिपब्लिकन पार्टी के ठाणे जिला का उपाध्यक्ष चुने जाने पर मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण आदि स्थानों से बधाई दी जा रही है। इस अवसर पर रिपब्लिकन पार्टी, महाराष्ट्र के महासचिव गौतम सोनवणे, ठाणे जिला के निरीक्षक सुरेश बरशिंग,मुंबई अध्यक्ष सिद्धार्थ कसारे,एमएस नंदा, राजकुमार टाक सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ससुराल पक्ष से प्रताड़ित पति ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

प्रयागराज। प्रयागराज गंगापार छेत्र के नवाबगंज थाना अंतर्गत लखरईया के अनिल कुमार की शादी फाफामऊ थाना अंतर्गत गौरा में वर्ष 2017 में हुई थी अनिल कुमार का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग आए दिन परेशान कर पैसे की डिमांड कर रहे हैं न देने पर मारपीट पर आमादा रहते हैं जिससे तंग आकर अनिल कुमार ने मुख्यमंत्री समेत आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। शिकायती पत्र में अनिल कुमार ने शनिवार को पत्नी को बुलाने अपने ससुराल गए थे जहाँ पर उनके साथ मारपीट की गई जिससे ससुर सास साला सरहज व पत्नी से तंग आकर मारपीट व ब्लैकमेल करने की शिकायत मुख्यमंत्री मंत्री समेत आला अधिकारियों से की है।

गुजरात प्रदेश उपाध्यक्ष पारस यादव की भतीजी और प्रदेश उपाध्यक्ष नंदलाल यादव उत्तर यादव युवा संघ के पुत्र की रिंग सेरेमनी में गुजरात उत्तर यादव युवा संघ प्रदेश अध्यक्ष हरिराम और टीम व राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने लड़की लड़के को आशीर्वाद दिया। छाया: उत्तरशक्ति

कालीना विधानसभा को समस्या मुक्त बनाने का संकल्प: अमरजीत सिंह

मुंबई। मुंबई की कालीना विधानसभा क्षेत्र में इस बार मुकाबला दिलचस्प है। इस सीट पर महायुति प्रत्याशी अमरजीत सिंह का मुकाबला शिवसेना यूबीटी प्रत्याशी संजय पोतनीस से हैं। पोतनीस पिछले 10 साल से इस सीट से विधायक हैं, ऐसे में एंटी इनकम्बेंसी का लाभ महायुति प्रत्याशी अमरजीत सिंह को मिल सकता है। क्षेत्र की जनता का आरोप है कि अपने कार्यकाल के दौरान विधायक संजय पोतनीस सक्रिय नहीं रहे, जिससे क्षेत्र में विकास कार्य ठप्प हो गए। अमरजीत सिंह अपने चुनाव प्रचार के दौरान क्षेत्र की जनता से साफ पानी की आपूर्ति, यातायात की समस्या से छुटकारा दिलाने, अस्पताल और खेल संकुल बनाने वादा कर रहे हैं।

महायुति प्रत्याशी अमरजीत सिंह चुनाव से पहले ही क्षेत्र में बेहद सक्रिय रहे और उन्हें क्षेत्र की जनसमस्याएं बखूबी पता है। उन्होंने क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई को बंद कराकर स्वच्छ पानी की आपूर्ति और यातायात की समस्या को दूर करने का वादा किया है। साथ ही कालीना क्षेत्र में नया खेल संकुल और 500 बेड का अस्पताल बनाने का भी वादा किया है। पोतनीस बनाम सिंह के मुकाबले में अमरजीत सिंह को जनता का जोरदार समर्थन मिल रहा है। उनकी पदयात्रा और जनसभाओं में बड़ी संख्या में आम जनता के साथ महायुति के कार्यकर्ता दिखाई पड़ रहे हैं। उन्हें कई सामाजिक संगठनों ने समर्थन देने की घोषणा की है अमरजीत सिंह ने कहा कि पिछले 10 साल से क्षेत्र का विकास रुका हुआ है। क्षेत्र की जनता को पीने के लिए दूषित पानी मिल रहा है। यहां की लोग ट्रैफिक की समस्या से परेशान हैं। क्षेत्र में पिछले कई साल से बड़े पैमाने एसआरए के कई प्रोजेक्ट रुके पड़े हैं, इससे बड़ी संख्या में झोपड़पट्टी में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र की जनता उन्हें विधायक बनाकर विधानसभा भेजती हैं तो वे सबसे पहले साफ पानी उपलब्ध कराने और ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने के काम को प्राथमिकता देंगे। महायुति प्रत्याशी अमरजीत सिंह ने कहा कि कालीना विधानसभा क्षेत्र में खेल संकुल और अस्पताल नहीं है। यह काम भी पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कालीना को साफ और सुंदर बनाने की दिशा में सभी प्रयास किए जाएंगे।कालीना में लगातार सक्रिय रहे।

वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में अमरजीत सिंह कालीना विधानसभा क्षेत्र से बेहद मामूली मतों से पराजित हो गए थे। इसके बावजूद वे पिछले 10 साल से क्षेत्र में विभिन्न जन सेवा कार्यों के साथ बेहद सक्रिय रहे। इस बार वे पूरी ताकत से क्षेत्र में अपनी जीत के लिए जनता से समर्थन मांग रहे हैं। उनकी पार्टी के साथ महायुति के अन्य सहयोगी दल के नेता और कार्यकर्ता चुनाव प्रचार में अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए जनता से समर्थन मांग रहे है। जनता का कहना है कि जो व्यक्ति बिना किसी पद रहते हुए पिछले दस साल से क्षेत्र की जनता से हर रोज मुलाकात कर उनकी समस्या को सुनकर तत्काल उसका समाधान करने का काम कर रहा है तो ऐसे उम्मीदवार के विधायक बनने के बाद क्षेत्र का चौतरफा विकास संभव है।